mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-144 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

27 मई 2025 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

एमएस धोनी ने...

@ पेज 7

‘देश चाहता था निर्णायक हल, लेकिन 1947 से सेना पर राजनीति हावी है’

रीवा (एजेंसी)। दुनिया में जिस तरह के हालात बने हुए है, उससे विश्व युद्ध की आहट बनी हुई है। यह बाते लोक तांत्रिक सामाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रघु ठाकुर ने अपने रीवा प्रवास के दौरान चर्चा करते हुए कही है। उन्होने

● तांत्रिक सामाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रघु ठाकुर

कहां की रूस-युक्रेन एवं इजराइल हमास के युद्ध में लोग मारे जा रहे है। रघु ठाकुर ने ऑपरेशन सिंदुर की सफलता के लिए सेना का अभिनंदन करते हुए कहा कि देश निर्णायक हल चाहता था, लेकिन 1947 से देश में सेना पर राजनीति हावी है। जिसके चलते कोई ठोस निणर्य नही निकल पा रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ तो महज पंचायत की तरह काम कर रहा है। रघु ठाकुर ने एक देश एक चुनाव पर जोर देते हुए कहा कि वे सरकार के इस निणर्य के साथ है। पंचायत से पालियामेंट का चुनाव एक साथ होना चाहिए। उन्होने कहा कि चुनाव में सुधार की जरूरत है। एक व्यक्ति एक ही स्थान से चुनाव लड़े। अगर ऐसी व्यवस्था बनाई जाती है तो इससे बार-बार चुनाव होने से बचाया जा सकता है। उन्होने जाति जनगणना का समर्थन किए।

लोक तांत्रिक सामाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि आरक्षण हिस्सेदारी का रोल मॉडल बन रहा है, जबकि अनुछेद-14 में यह प्रावधान है कि एक पीढ़ी को ही आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए और आर्थिक आधार पर आरक्षण होना चाहिए। उन्होने कहा कि गरीब परिवार को ही केवल सरकारी नौकरिया मिलनी चाहिए, तभी देश से विषमता दूर होगी और समता कायम हो पाएगी। यही लोहिया जी की विचारधारा थी, लेकिन दुर्भाग्य है कि आज सरकारी स्कूलें बंद हो रही है। अर्थव्यवस्था में देश चौथे पायदान पर है, लेकिन 85 करोड़ लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे है। उन्होने कहा कि मुफ्त की योजनाएं जनतंत्र को कंमजोर कर रही है।

वरिष्ठ राजनैतिक चिंतक एवं समाजवादी विचारक रघु ठाकुर ने कहा कि आज देश में करोड़पति लोग बैठे है, लेकिन चुनाव में जाति और धन का बोलबाला होता है, जाति और अर्थ हावी होता है। यह समाजवादी विचारधारा को कंमजोर कर रहा है। जरूरत है कि गरीब को भी राजनीति में मौका दिया जाए। जब सांसद में गरीब व्यक्ति की भागीदारी होगी तभी विषमता मिटेगी। उन्होने कहा कि पर्यावरण सुधार की बेहद जरूरत है। जो हालात बन रहे है उससे आदमी सांस नही ले पाएगा। इस क्षेत्र में सरकार और सभी को विचार करने की जरूरत है।

देश में गांधीवादी-समाजवादी चिंतक के रूप में ख्याति प्राप्त समाजसेवी एवं राजनीतिज्ञ रघु ठाकुर विचारक, एक्टिविस्ट, जननेता के साथ-साथ एक अच्छे साहित्यकार भी हैं। 10 जून 1946 को माता श्रीमती तुलसी बाई एवं पिता भवानी सिंह के पुत्र के रूप में सागर में जन्में रघु ठाकुर बाल्यावस्था से ही चिंतनशील है।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में बिगड़ रहे हालात, सचिवालय के मुख्य द्वार पर जड़ा ताला

ढाका/नई दिल्ली (एजेंसी)। नए सेवा कानून के खिलाफ विरोध तेज करते हुए सोमवार को सैकड़ों सरकारी कर्मचारियों ने राजधानी ढाका स्थित बांग्लादेश सचिवालय के मुख्य द्वार पर कुछ देर के लिए ताला जड़ दिया। नया कानून कदाचार के लिए अधिकारियों को आसानी से बर्खास्त करने का प्रावधान करता है। प्रत्यक्षदर्शियों और मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने लोक सेवा (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ अपने विरोध प्रदर्शन के तीसरे दिन मुख्य द्वार पर ताला लगा दिया। सचिवालय में मंत्रालय और महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालय स्थित हैं। खबरों के अनुसार, कर्मचारियों द्वारा काम बंद रखने के कारण परिसर के अंदर आधिकारिक गतिविधियां काफी हद तक ठप रहीं। मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार द्वारा उस

संशोधित कानून को अधिसूचित करने के बाद विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ, जिससे कदाचार के लिए अधिकारियों को आसानी से बर्खास्त किया जा सकता है। सरकारी कर्मचारियों ने अध्यादेश को रद्द किए जाने तक प्रदर्शन जारी रखने की धमकी दी है। अधिकारियों ने परिसर में किसी भी संभावित हिंसा के खिलाफ सतर्कता बरतते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया है। ‘बीडीन्यूज24 डॉट कॉम’ की खबर के अनुसार, ढाका दक्षिण नगर निगम के कर्मचारी अदालती आदेश के अनुरूप बीएनपी नेता इशराक हुसैन को महापौर बनाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी रखे हुए हैं, जिसके कारण प्रशासनिक सेवाएं ठप हो गई हैं।

पाकिस्तानियों की जालसाजी, अब अमेरिका में कर दिया बड़ा कांड; 2 गिरफ्तार

अमेरिका (एजेंसी)। पाकिस्तानी कहीं भी रहें अपनी हरकतों से बाज नहीं आते हैं। बीते साल श्रीलंका में पाकिस्तानी नागरिकों को तस्करी के आरोप में पकड़ा गया था अब अमेरिका से भी बड़ी खबर समने आई है। अमेरिका में 2 पाकिस्तानी नागरिकों को वीजा धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। ये लोग कई सालों से इस तरह की धोखाधड़ी को अंजाम दे रहे थे। दोनों ने कई विदेशी नागरिकों को अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश कराने और यहां रहने में मदद की है। पाकिस्तानी नागरिक विदेशी लोगों को फर्जी तरीके से अमेरिका में दाखिला दिलाते थे और फर्जी

वीजा दिलाते थे। गिरफ्तार किए गए लोगों के नाम अब्दुल हादी मुर्शिद (39) और मुहम्मद सलमान नासिर (35) हैं। इन दोनों पर टेक्सास की एक संघीय अदालत ने आरोप तय किए हैं। आरोपों में अमेरिका को धोखा देने की साजिश, वीजा धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग की साजिश शामिल है। मुर्शिद पर अमेरिकी नागरिकता हासिल करने के लिए गैर कानूनी तरीके को अपनाने के आरोप भी लगाए गए हैं। टेक्सास के उत्तरी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी लीहा सिमोंटन ने एक आधिकारिक बयान में बताया, ‘‘यह केवल पैसे के लिए नहीं था। इन पर आरोप है कि उन्होंने आव्रजन के लिए एक पूरा आपराधिक रैकेट तैयार किया है।’’ अभियोग के अनुसार, मुर्शिद और नासिर ने फर्जी नौकरी के आधार पर आवेदन कर अमेरिकी वीजा योजनाओं का लाभ उठाया। दोषी पाए जाने पर आरोपियों को 20 वर्ष तक की जेल हो सकती है।

नीतीश की मानसिक स्थिति ऐसी नहीं है कि वे राज्य का कर सकें नेतृत्व

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक कार्यक्रम के दौरान ढ्ढस्‍ अधिकारी के सिर पर गमला रख दिया। इसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। इस पर अब जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर का बयान सामने आया है। प्रशांत किशोर ने कहा कि नीतीश कुमार की शारीरिक और मानसिक स्थिति ऐसी नहीं है कि वे राज्य का नेतृत्व कर सकें। उनको सीएम बनाए रखना भाजपा की मजबूरी है। प्रशांत किशोर ने कहा कि उन्हें अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों और उनके विभागों के नाम तक याद नहीं हैं। जन सुराज के प्रमुख प्रशांत किशोर ने कहा कि उन्हें (नीतीश कुमार) केवल दिल्ली में 12 सांसदों के लालच और खुद बिहार भाजपा में नेतृत्व की कमी के कारण भाजपा ने बिहार की जनता पर थोप रखा है। यह बहुत गंभीर मुद्दा है कि एक सिपाही भर्ती होने से पहले शारीरिक और मानसिक परीक्षण से गुजरता है, लेकिन सरकार मुख्यमंत्री के स्वास्थ्य की स्थिति साझा नहीं कर रही है। नीतीश सरकार पर हमला बोलते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार के स्वास्थ्य त्री चोर हैं। कॉटन और बैंडेज में पैसा लेते हैं। फिर भी उसी को स्वास्थ मंत्री बना दिया गया।

तलाक लेने पहुंचे जोड़े को स्ष्ट की सलाह

‘हम आपको ड्राइंग रूम देंगे, आज रात साथ डिनर करें, कॉफी पीएं’

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को तलाक की प्रक्रिया से गुजर रहे एक दंपति को ऐसी सलाह दी जिसे सुनकर आपको भी संतुष्टि मिलेगी। पति पत्नी के तलाक का मामला जब सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो कोर्ट ने दोनों से आपसी शिकायतें और मतभेद दूर करने के लिए कहा और सलाह दी कि आप दोनों आज रात का खाना साथ में खाएं और साथ बैठकर कॉफी पीएं। कोर्ट में न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ फैशन जगत से जुड़ी एक उद्यमी की तलाक की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उसने अपने तीन साल के बच्चे के साथ विदेश यात्रा की अनुमति मांगी थी।

पति पत्नी के बीच अहंकार कैसा: इसपर जजों की पीठ ने दंपति को समझाया और कहा, ‘‘आप दोनों का तीन साल का बच्चा है। पति पत्नी के बीच अहंकार की क्या बात है? फिर उन्होंने कहा कि हमारी कैंटीन इसके लिए इतनी अच्छी नहीं हो सकती। हम आपको एक और ड्राइंग रूम मुहैया करा देंगे। आप दोनों वहां आज रात खाने पर मिलें और साथ बैठकर कॉफी पीएं, कॉफी पर बहुत कुछ बात बन सकती है।’’

अतीत को कड़वी गोली की तरह निगल लें: न्यायालय ने दंपति से कहा कि वे अतीत को कड़वी गोली की तरह निगल लें और आने वाले भविष्य के बारे में सोचें, अपने बच्चे के बारे में सोचें। इस तरह से सुप्रीम कोर्ट ने पति पत्नी के बीच सकारात्मक परिणाम की उम्मीद जताते हुए मामले की सुनवाई मंगलवार के लिए स्थगित कर दी है। इसके बाद जजों की पीठ ने कहा, ‘‘हमने दोनों पक्षों को एक-दूसरे से मिल बैठकर बातचीत करने, साथ डिनर करने और साथ कॉफी पीने की बात कही है और कल अदालत में पेश होने का निर्देश दिया है।

रीवा में तिलकोत्सव से लौट रहा परिवार हुआ हादसे का शिकार, एक की मौत

रीवा (एजेंसी)। रीवा में तिलकोत्सव से लौट रहा दुल्हन का परिवार हादसे का शिकार हो गया ज़िले के मनगवां थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम टिकुरा के समीप बीती देर रात हुए इस सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि आधा दर्जन से ज़्यादा

लोग घायल हो गए . जिनमें से तीन की हालत गंभीर बनी हुई है . घायलों का उपचार संजय गांधी अस्पताल में कराया जा रहा है. जानकारी के मुताबिक पीड़ित मऊगंज ज़िले के हनुमना थाना क्षेत्र से रविवार की रात रीवा के ग्राम सुनौरा बाईपास में तिलक लेकर गए थे . जहां कार्यक्रम संपन्न होने के बाद देर रात करीब 2 बजे सभी लोग वापस गांव जा रहे थे . इसी दौरान रघुनाथ गंज के समीप ग्राम टिकुरा में सामने से आ रहे ट्रेलर से बोलेरो की टक्कर हो गई . इस सड़क हादसे में क्चस्न्न के जवान तेजली पटेल की मृत्यु हो गई, जबकि वाहन में सवार आधा दर्जन से ज़्यादा लोग घायल हुए हैं . जिनमें से तीन की हालत गंभीर बताई गई है .

नाबालिग महिला पहलवान से यौन शोषण मामले में बृजभूषण सिंह को बड़ी राहत

हुए बरी, कोर्ट में केस बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह को नाबालिग महिला पहलवान के साथ रेप केस के मामले में बड़ी राहत मिली है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में क्लोजर रिपोर्ट दायर की थी, जिसे दिल्ली की कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही इस मामले को बंद कर दिया गया है। ओलंपियन विनेश फोगट, बजरंग पुनिया और साक्षी मलिक ने बृज भूषण पर जूनियर पहलवानों का यौन शोषण करने का आरोप लगाया था और जंतर-मंतर पर लंबा विरोध प्रदर्शन किया था। इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई थी और पूर्व भाजपा सांसद इस मामले में मुकदमे का सामना कर रहे थे। बृज भूषण ने हमेशा ही आरोपों से इनकार किया था।

पहलवानों ने इस मामले को लेकर लंबे समय तक प्रदर्शन किया था। पहलवानों ने जंतर-मंतर में ही अपना घर बना लिया था। इसके बाद पुलिस ने पहलवानों को हिरासत में लेकर प्रदर्शन वाली जगह साफ कर दी थी। इसके बाद विरोध प्रदर्शन भी खत्म हो गया। अब बृजभूषण सिंह को क्लीन चिट भी मिल गई है।

क्या है मामला? विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया जैसे पहलवानों की अगुआई में कई पहलवानों ने विरोध प्रदर्शन किया था और बृजभूषण शरण सिंह पर गंभीर आरोप लगाए थे। जांच का आश्वासन मिलने पर पहलवानों ने धरना खत्म किया, लेकिन दो महीने बाद भी बृजभूषण के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। ऐसे में पहलवानों ने दोबारा प्रदर्शन शुरू किया, जो लंबे समय तक चला। कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद इस मामले में दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। हालांकि, अब बृजभूषण को इस मामले में क्लीन चिट दे दी गई है। बृजभूषण सिंह पर गंभीर आरोप लगने के बाद उन्हें कुश्ती संघ के कामकाज में दखल अंदाजी नहीं करने के लिए कहा गया था।बृजभूषण सिंह ने आरोप लगाए थे कि सीनियर पहलवान चोटिल होने पर भी अपना कोटा नहीं छोड़ते और बिना ट्रायल दिए बड़ी प्रतियोगिताओं में खेलना चाहते हैं। वह ऐसा नहीं करने दे रहे। इसी वजह से पहलवान उनके ऊपर झूठे आरोप लगा रहे हैं।

समुंदर में कई तटों पर फैला जहरीला रसायन

कोच्चि जहाज दुर्घटना

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के समुद्री तट पर लाइबेरियाई मालवाहक जहाज के डूबने के बाद उसमें रखे कंटेनर बहकर तट पर आने लगे हैं और जहाज से हो रहे तेल रिसाव के कारण राज्य के तटीय क्षेत्र में ‘हाई अलर्ट’ जारी कर दिया है। पुलिस ने बताया कि दक्षिणी कोल्लम और तटीय अलाप्पुझा जिलों के तटों पर कुछ कंटेनर पाए गए हैं। तटीय क्षेत्र में रहने वाले लोगों और मछुआरों से सतर्क रहने का आग्रह करते हुए एक परामर्श जारी किया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, अब तक नौ कंटेनर बहकर तट पर आ चुके हैं।

भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के अनुसार, रविवार की सुबह मालवाहक जहाज पलट गया और समुद्र में डूब गया, जिससे काफी मात्रा में तेल रिसाव हो गया। डूबे हुए जहाज के टैंकों में 84.44 मीट्रिक टन डीजल और 367.1 मीट्रिक टन ‘फर्नेस ऑयल’ था। कुछ कंटेनर में कैल्शियम कार्बाइड जैसे खतरनाक पदार्थ रखे हुए थे, जो समुद्री जल के साथ प्रतिक्रिया करके अत्यधिक ज्वलनशील एसिटिलीन गैस उत्सर्जित करता है। इस खतरनाक पदार्थ की वजह से प्राधिकारियों के लिए परेशानी बढ़ गई है।

बयान में कहा गया है, ‘‘जहाज से ईंधन भी लीक हो गया है। कल रात से आज सुबह तक नौ कंटेनर बहकर तट पर आ गए हैं, जिसमें से चार कंटेनर शक्तिकुलंगरा बंदरगाह के पास, तीन चावरा के पास, एक चेरियाझीकल (कोल्लम जिला) में और एक अलाप्पुझा के थ्रीकुन्नापुझा में पाया गया। तटरक्षक बल दो जहाजों का उपयोग करके तेल रिसाव को रोकने के उपाय कर रहा है।’’

कोरोना के नए वेरिएंट पर आ गया ICMR का बयान

देश में एक बार फिर से कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश नें कोरोना के नए वेरिएंट के सामने आने पर भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने कहा कि कोरोना मामले बहुत गंभीर नहीं हैं और लोगों को चिंता नहीं करनी चाहिए, बल्कि केवल सतर्क रहना चाहिए। फिलहाल देश में कोरोना के ओमिक्रॉन वेरिएंट के दो सब-वेरिएंट एक्टिव हैं, इनकी प्रकृति संक्रामक जरूर रही है, पर इसके कारण गंभीर रोग होने का खतरा कम देखा जा रहा है।

ताजा मामले चिंताजनक नहीं: डॉ. बहल ने कहा कि जब भी कोरोना के केस बढ़ते हैं तीन चीजें उसमें ध्यान दी जाती हैं। जिसमें पहला यह कि कितनी तेजी से केस बढ़ रहे हैं। दूसरा यह कि क्या वह हमारी इम्यूनिटी से बच रहा है। तीसरी सबसे जरूरी चीज यह है कि मौजूदा सीवियरटी पहले के मामलों से

ज्यादा तो नहीं। अभी तक ताजा मामले चिंताजनक नहीं हैं।

नए वेरिएंट में केवल ‘वायरल बुखार’ के लक्षण: वहीं, दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने सोमवार को कहा कि नए वेरिएंट से होने वाले कोविड में अभी तक केवल ‘वायरल बुखार’ के लक्षण दिखे हैं और उन्होंने साथ ही लोगों से अपील की कि वे घबराएं नहीं। उन्होंने कहा कि सरकार ने अस्पतालों को स्वास्थ्य परामर्श भेजकर किसी भी स्थिति के लिए तैयार रहने को कहा है, लेकिन यह सिर्फ एहतियाती कदम है, खतरे का संकेत नहीं। सिंह ने कहा, ‘‘हमने किसी भी स्थिति से निपटने के मद्देनजर अस्पतालों को बिस्तर, ऑक्सीजन, आवश्यक दवाओं और उपकरणों के साथ तैयार रहने की सलाह दी है। यह मानक तैयारियों का हिस्सा है, न कि इसलिए कि स्थिति गंभीर है।’’ उन्होंने कहा, ‘‘घबराने की कोई जरूरत नहीं है। कोविड का नया स्वरूप केवल सामान्य वायरल बीमारी जैसा ही है। अब तक जो मरीज आए हैं, उनमें बुखार, खांसी और जुकाम जैसे हल्के लक्षण देखे गए हैं।’’

जिला अस्पताल में मरीज ने किया सुसाइड, 5वीं मंजिल से कूदा

खंडवा (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के खंडवा स्थित सरकारी जिला अस्पताल में एक मरीज का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव मिलने की खबर से पूरे अस्पताल प्रबंधन में हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है, कि मरीज का शव जिला अस्पताल की पांचवी मंजिल पर बने एयर डक्ट से गिरकर दूसरी मंजिल के डक्ट में आकर फंसा हुआ मिला। जिला अस्पताल के स्टॉफ ने रेस्क्यू कर के डक्ट से बाहर निकाला गया। अस्पताल

प्रबंधन के अनुसार यह मोहनलाल मोरे एनीमिया की बीमारी से पीड़ित था और इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती था। रविवार रात को वह अस्पताल से अचानक गायब हो गया, जिसके बाद अस्पताल स्टाफ के साथ परिजन भी इसे खोजने में जुट गया। परिजनों ने इसकी सूचना मोघट थाना पुलिस को भी दी थी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर छानबीन शुरू की और मरीज के शव को और डक्ट से निकलवाया। शुरुआती जांच में मरीज द्वारा खुदखुशी करने का अंदेशा जताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि पांचवीं मंजिल पर मेल मेडिकल वार्ड में भर्ती मोहनलाल ने बाथरूम के वेंटिलेशन का कांच तोड़कर एयर डक्ट में छलांग लगा दी।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समन्वय समिति गठित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य शासन द्वारा राज्य में 8वीं आर्थिक गणना, 2025-26 के सुचारू रूप से संचालन की तैयारियो, प्रगति की निगरानी तथा समस्याओं के समाधान के लिए मुख्य सचिव/मुख्य सचिव द्वारा नामित अधिकारी की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समन्वय समिति का गठन किया है।समिति में प्रमुख सचिव, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, श्रम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, वित्त, नगरीय विकास एवं आवास, राजस्व, महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा एवं प्रतिनिधि, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एन.एस.ओ) क्षेत्र संकार्य प्रभाग (एफ.ओ.डी) सदस्य होंगे। अपर मुख्य सचिव, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी, सदस्य/राज्य चार्ज अधिकारी तथा आयुक्त, आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय को सदस्य-सचिव/राज्य नोडल अधिकारी बनाया गया है।समिति मुख्यत- आर्थिक गणना के संचालन में तैयारियों, प्रगति की निगरानी तथा आने वाली प्रशासनिक एवं तकनीकी समस्याओं का नियमित आधार पर समीक्षा और समाधान करेगी। राज्य में पर्याप्त संख्या में सुपरवाइजर्स की तैनाती तथा मासिक आधार पर क्षेत्रीय कार्य की प्रगति की समीक्षा की जायेगी। राज्य में पूर्ण कवरेज सुनिश्चित करना, राज्य और एन.एस.ओ (एफ.ओ.डी) के पर्यवेक्षकों द्वारा किए पर्यवेक्षण के आधार पर डेटा की शुद्धता पर रिपोर्ट तैयार करना, व्यापारिक संगठनों और आम नागरिकों को सहयोग के लिए संवेदनशील बनाना तथा जिला-स्तरीय प्राप्त फीडबैक की निगरानी करना तथा यदि कोई समस्या हो तो उसका समाधान समिति द्वारा किया जायेगा।

14 से 16 जून तक बीजेपी विधायक-सांसदों का ट्रेनिंग कैंप

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पचमढ़ी में 14 से 16 जून तक बीजेपी के विधायकों सांसदों का ट्रेनिंग कैंप आयोजित होगा। इस ट्रेनिंग कैंप में एमपी बीजेपी के सभी विधायक, मंत्री और लोकसभा, राज्यसभा के सांसद शामिल होंगे। उद्घाटन में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आयेंगे। वहीं, समापन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल होंगे। विधानसभा और लोकसभा चुनाव के बाद नवनिर्वाचित विधायकों, सांसदों को भाजपा 5 साल में एक बार प्रशिक्षण देने का कार्यक्रम आयोजित करती है। यह ट्रेनिंग कैंप इस साल की शुरुआत में होना था। लेकिन संगठन चुनाव के चलते इसे आगे बढ़ा दिया गया था। 11 मई को जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान दिया। इसके बाद डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा, सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, विधायक नरेंद्र प्रजापति के बयानों से भी विवाद बढ़ा। ऐसे में लगातार आ रहे विवादित बयानों के बाद पार्टी अब सभी विधायकों और सांसदों को प्रशिक्षण देने जा रही है।

देशभर की अदालतों में अंबेडकर प्रतिमा लगाने की मांग

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ग्वालियर हाईकोर्ट परिसर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा लगाने को लेकर चल रहे विवाद के बीच दलित-पिछड़ा समाज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष और आजाद समाज पार्टी (भीम आर्मी) के वरिष्ठ नेता दामोदर सिंह यादव ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि चाहे कितना भी संघर्ष क्यों न करना पड़े, लेकिन अंबेडकर जी की मूर्ति हाईकोर्ट परिसर में लगाकर ही रहेंगे। भोपाल में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यादव ने कहा कि देश का न्यायिक तंत्र जिस संविधान पर आधारित है, उसके निर्माता डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा लगाने का विरोध किया जाना इस बात का प्रमाण है कि जातिगत भेदभाव अब भी जीवित है।

वनों को समाप्त करने का दुष्परिणाम है, जलवायु परिवर्तन : राज्यपाल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वर्तमान समय में मौसम कुछ ऐसा चल रहा है कि सुबह ठंड लगती है, दोपहर में तेज गर्मी एवं शाम होने तक बारिश होने लगती है। यह सब जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहा है। जलवायु परिवर्तन के लिए हम मनुष्य ही दोषी हैं, क्योंकि हमने वनों को काटकर उन्हें समाप्त कर दिया है। प्रकृति ने हर मौसम के लिए चार माह का समय निर्धारित किया है, परन्तु मनुष्य ने अपने स्वार्थ के लिए वनों को समाप्त कर प्रकृति के चक्र में अवरोध उत्पन्न किया है। वर्तमान में मौसम का जो स्वरूप है उसके लिए यह आवश्यक है कि हम सभी अधिक से अधिक पेड़ लगाकर प्रकृति का पुनः श्रृंगार करें।

राज्यपाल श्री पटेल ने उक्त बातें रविवार को बड़वानी जिले की राजपुर तहसील के ग्राम पंचायत इंदरपुर के ग्राम लोटनदेव में गुजराती चारण समाज न्यास द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान कहीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रकृति ने हमें बहुत कुछ दिया है, परन्तु मनुष्य ने तो सिर्फ लिया ही लिया है। प्रकृति में मनुष्य की हर राशि, नक्षत्र के हिसाब से भी पेड़ निर्धारित हैं। अगर हर व्यक्ति वर्षाकाल में मात्र दो ही पेड़ लगाकर उन्हें बड़ा करे तो जलवायु परिवर्तन की स्थिति पर नियंत्रण पाया जा सकता है, अन्यथा इसी तरह वनों का दोहन होता रहा तो आने वाले समय में जलवायु परिवर्तन की भयावह स्थिति हमारे समक्ष होगी और हम उसका सामना भी नहीं कर पायेंगे।

राज्यपाल श्री पटेल ने अपने उद्बोधन में बालिका शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि परिवार एवं समाज के उत्थान के लिए सभी लोग अपनी बेटियों को अनिवार्य रूप से शिक्षित करें क्योंकि बेटी जब शिक्षित होगी तो वह अपने मायके एवं ससुराल दोनों का नाम रोशन करेगी। शिक्षा के कारण उसकी शादी अच्छे परिवार में होगी, जहां वह अपने बच्चों को भी शिक्षा देकर उनका भी जीवन संवारेगी। शिक्षित माता ही बच्चों में वे सभी संस्कारों को डाल सकती है जो आगे चलकर समाज और देश की उन्नति के लिए आवश्यक है, एक शिक्षित मां 100 शिक्षकों के बराबर है। ग्राम लोटनदेव पहुंचकर महामहिम राज्यपाल श्री पटेल ने सबसे पहले ग्राम में स्थित श्री आवड़ माताजी के मंदिर में पहुंचकर माताजी का पूजन अर्चन कर ग्रामवासियों के सुख एवं समृद्धि की कामना की। साथ ही मंदिर में उनके स्वागत में खड़ी चारण समुदाय की बालिकाओं के सिर पर हाथ रखकर उन्हे आर्शीवाद भी दिया। साथ ही महामहिम राज्यपाल ने मंदिर के समीप ही त्रिवेणी (पीपल, बरगद, नीम) पौधों का भी रोपण किया।

कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर महामहिम राज्यपाल श्री पटेल का स्वागत चारण समुदाय की पारंपरिक पगड़ी एवं जैकेट पहनाकर ग्राम के श्री हुकुमनाथा चारण, भूरारामजी चारण, जीवाजी चारण एवं शिवाजी चारण ने किया। इस दौरान ग्राम के सरपंच एवं उप सरपंच ने महामहिम राज्यपाल को स्मृति स्वरूप तीर कमान भी भेंट किया।कार्यक्रम के दौरान महामहिम राज्यपाल श्री पटेल, चारण समुदाय के अध्यक्ष श्री वल्लभ भाई पटेल एवं श्री हीरालाल पाटीदार ने ग्राम नरावला के शहीद श्री नायक बघेल की धर्मपत्नी श्रीमती संतोषी बघेल को पटेल मोटर्स की तरफ से चेक एवं साड़ी देकर सम्मानित किया।कक्षा 10वीं एवं 12वीं में प्रदेश की प्रावीण्य सूची में स्थान पाने वाली बालिकाओं को किया सम्मानितकार्यक्रम के दौरान महामहिम राज्यपाल श्री पटेल ने कक्षा 10वीं एवं 12वीं में प्रदेश की प्रावीण्य सूची में अपना स्थान बनाने वाली जिले की कक्षा 12वीं की छात्रा सुश्री राधिका सोनी एवं 10वी की छात्रा लीना यादव को प्रशस्ति पत्र एवं चेक देकर सम्मानित किया।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री नायडू से की सौजन्य भेंट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने नई दिल्ली में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री किंजरापु राम मोहन नायडू से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने विंध्य क्षेत्र में हवाई सेवाओं के विस्तार पर सार्थक चर्चा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा से इंदौर, हैदराबाद, दिल्ली एवं प्रयागराज जैसे प्रमुख नगरों के लिए एटीआर-72 विमानों के माध्यम से नियमित उड़ानों की आवश्यकता एवं जनसामान्य की अपेक्षाओं से केंद्रीय मंत्री श्री नायडू को अवगत कराया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि रीवा एयरपोर्ट से इन महानगरों के लिए हवाई संपर्क स्थापित होने से क्षेत्रीय व्यापार, शिक्षा, पर्यटन एवं स्वास्थ्य सेवाओं को नई गति

मिलेगी तथा रीवा सहित पूरे विंध्य क्षेत्र को समावेशी विकास में समुचित स्थान मिलेगा। केंद्रीय मंत्री श्री नायडू ने प्रस्तुत सुझावों और मांगों पर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने का भरोसा दिलाया।

प्रकाश तरुण पुष्कर अब खेल विभाग के अधीन होगा : मंत्री सारंग

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने घोषणा की है कि प्रकाश तरण पुष्कर अब मध्यप्रदेश के खेल विभाग के अंतर्गत आएगा। उन्होंने कहा कि लंबे समय से इसके लिए प्रयास किया जा रहे थे जल्दी ही इसे खेल विभाग में शामिल कर स्वीमिंग अकादमी की शुरुआत करेंगे। मंत्री श्री सारंग रविवार को भोपाल जिला तैराकी प्रतियोगिता के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रकाश तरण पुष्कर में पहले से काम कर रहे कर्मचारी पूर्ववत काम करते रहेंगे।मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रकाश तरण पुष्कर का संचालन अभी तक पीडब्ल्यूडी द्वारा किया जाता है। उन्होंने कहा कि सभी

औपचारिकताएं पूरी हो चुकी है, जल्द ही प्रकाश तरुण पुष्कर को खेल विभाग में शामिल किया जाएगा। यहां जल्द ही एक व्यापक सुव्यवस्थित स्वीमिंग अकादमी की शुरुआत की जाएगी। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि इस स्वीमिंग अकादमी में देश के बड़े प्रशिक्षक रखने के प्रयास होंगे। स्वीमिंग ऐसा खेल है जिसमें मध्यप्रदेश का अभी कोई स्थान नहीं है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि खेल विभाग के अधीन प्रदेश के खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियां हासिल की हैं। अब प्रदेश स्वीमिंग में भी उपलब्धियां हासिल करेगा। इस अकादमी की स्थापना से मध्यप्रदेश के होनहार प्रतिभाएं सामने आएंगी।

आधुनिक योजनाओं में जीवित है लोकमाता अहिल्याबाई की सोचः मंत्री टेटवाल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल ने कहा है कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई ने सेवा, सुशासन और सामाजिक चेतना का जो दृष्टिकोण प्रस्तुत किया, वह आज भी मार्गदर्शक है। उन्होंने विधवा पुनर्विवाह और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देकर तत्कालीन रूढ़ियों को तोड़ा और समाज के हर वर्ग को सम्मान से जोड़ा। मंत्री श्री टेटवाल राजगढ़ जिले के सारंगपुर में होल्कर वंश की राजमाता देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उनके सुशासन और आदर्शों पर बोल रहे थे। कार्यक्रम महिला सशक्तीकरण, सांस्कृतिक विरासत और आत्मनिर्भता की प्रेरणा पर केन्द्रित था।

मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव के नेतृत्व में आज देश और प्रदेश में जो योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं, वे देवी अहिल्याबाई के आदर्शों से प्रेरित नजर आती हैं। मुद्रा योजना, स्टार्ट-अप इंडिया, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, लाड़ली बहना योजना और सीएम स्टार्टअप चैलेंज जैसी योजनाएं महिलाओं और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रभावी कदम हैं। मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि अहिल्याबाई का शासन जल, जंगल और ज़मीन की संवेदना से जुड़ा था। कुएं, बावड़ियां और वृक्षारोपण जैसे कार्यों के माध्यम से उन्होंने पर्यावरण और जनकल्याण को जोड़ा। उनकी सोच हर हाथ को काम, हर खेत को पानी की भावना को साकार करती थी। उन्होंने बताया कि हाल ही में इंदौर में संपन्न मंत्रिपरिषद की बैठक में देवी अहिल्याबाई कौशल प्रशिक्षण योजना को मंजूरी दी गई है। यह योजना प्रदेश की बेटियों और युवाओं को रोजगार-स्वरोजगार से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनेगी।

नारी सशक्तिकरण से प्रदेश और देश हो रहा सशक्त और समृद्ध

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नारी सशक्तिकरण के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने में जुटा हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि हमने पुण्य-श्लोका लोकमाता अहिल्यबाई होल्कर के 300वें जयंती वर्ष में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के गरीब, युवा, किसान और नारी (ज्ञ्ह्) पर ध्यान के ध्येय मंत्र पर चलते हुए लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के नाम से महिला सशक्तिकरण के मिशन को लॉन्च किया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के मंत्र में शामिल चौथे स्तंभ नारी के समग्र विकास के लिए 'देवी अहिल्याबाई नारी सशक्तिकरण मिशन' बनाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आशा व्यक्त की है कि इस मिशन' से प्रदेश की नारी शक्ति आत्मनिर्भर बनेगी। मिशन के क्रियान्वयन से आने वाले वर्षों में महिलाओं की स्थिति में सकारात्मक बदलाव आएगा और वह राज्य की सामाजिक और आर्थिक प्रगति को भी गतिशील बनाएंगी। नारी सशक्तिकरण से ही प्रदेश और देश आज सशक्त और समृद्ध हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि महिलाओं को अधिकार देने से समाज में सकारात्मक बदलाव आते हैं इसीलिये भारत में अनादिकाल से ही मातृ-शक्ति के सम्मान की परंपरा है।

गंगा-दशहरा पर्व पर उज्जैन में क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा 4 एवं 5 जून को

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। महाकाल की पावन नगरी उज्जयनी में गंगा दशहरा पर्व के उपलक्ष्य में 4 एवं 5 जून को क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा आयोजित की जायेगी। यह परिक्रमा प्रतिवर्ष गंगा दशहरा पर्व पर की जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेशभर में जल संरक्षण के लिये 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इसी उद्देश्य को लेकर ज्येष्ठ शुल्क पक्ष नवमीं से ज्येष्ठ शुल्क दसवीं गंगा दशहरा के अवसर पर दो दिवसीय माँ क्षिप्रा परिक्रमा आयोजित की जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मोक्षदायिनी क्षिप्रा तीर्थ के संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरण के लिये सभी से सहभागिता के लिये आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि परिक्रमा में विद्वतजन, विषय-विशेषज्ञ, वैज्ञानिक और समाज के सभी वर्ग शामिल होकर क्षिप्रा संरक्षण कार्य में संलग्न रहते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा के दौरान पर्यावरणविद्, जीव और वनस्पति वैज्ञानिकों द्वारा तैयार की गयी परीक्षण रिपोर्ट प्रतिवर्ष शासन को भेजी जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि क्षिप्रा नदी के किनारे विकास कार्यों को प्रमुखता से लिया गया है। क्षिप्रा परिक्रमा में घाटों का निर्माण, मंदिरों का पुनर्निर्माण, क्षिप्रा नदी का शुद्धिकरण और खान डायवर्सन योजना और नौका-विहार जैसे कार्य किये जा रहे हैं। निदेशक महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ उज्जैन श्री श्रीराम तिवारी ने बताया कि क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा में प्रशासन द्वारा सभी जरूरी व्यवस्थाएँ की जायेंगी। इसमें नगर निगम उज्जैन द्वारा परिक्रमा मार्ग की सफाई, रामघाट, दत्त अखाड़ा, गुरुनानक देव घाट और राणोजी की छत्री घाट के साथ परिक्रमा मार्ग के घाटों की साफ-सफाई का कार्य किया जायेगा। क्षिप्रा नदी की सफाई, फव्वारे, मंदिरों की पुताई एवं विद्युत साज-सज्जा का कार्य किया जायेगा। दत्त अखाड़ा, गुरुनानक घाट, रामघाट, चुनरी-पूजन स्थल और भजन संध्या स्थल पर हैलोजन लगाये जायेंगे। नगर निगम द्वारा यात्रा के पहले-दूसरे दिन 4 एवं 5 जून को दत्त अखाड़ा घाट क्षेत्र, गुरुद्वारा नानक साहिब में विश्राम व्यवस्था की जायेगी। प्रति वर्षानुसार यात्रियों की सुविधा के लिये त्रिवेणी, रामघाट, दत्त अखाड़ा घाट पर टेंट, मंच, विद्युत व्यवस्था की जायेगी। क्षिप्रा परिक्रमा के दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा विभिन्न स्थलों पर पेयजल की व्यवस्था की जायेगी। उज्जैन विकास प्राधिकरण की मेंटेनेंस गैंग द्वारा मार्ग का चिन्हीकरण एवं चुनरी व्यवस्था के साथ यात्रा मार्ग पर मुरम का भराव कर रास्ता तैयार किया जायेगा।

बोर्ड कक्षा-10 और 12वीं की द्वितीय परीक्षा की तैयारी के लिये विशेष कक्षाओं का संचालन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)।लोक शिक्षण संचालनालय ने माध्यमिक शिक्षा मण्डल की कक्षा-10वीं और 12वीं की द्वितीय परीक्षा की तैयारी के लिये विशेष कक्षाओं के संचालन का निर्णय लिया है। इसके लिये संभागीय संयुक्त संचालक, जिला शिक्षा अधिकारी और समस्त प्राचार्य शासकीय हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी स्कूल को पत्र लिखकर निर्देश जारी किये गये हैं। स्कूल शिक्षा विभाग का प्रयास है कि द्वितीय बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र अधिक से अधिक संख्या में उत्तीर्ण होकर अपनी आगे की पढ़ाई जारी रख सकें।

प्रदेश में कक्षा-10वीं एवं 12वीं में अध्ययनरत उत्तीर्ण विद्यार्थियों की द्वितीय बोर्ड परीक्षाएँ 17 जून से प्रारंभ होंगी। इस परीक्षा में अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के साथ-साथ श्रेणी सुधार के लिये विद्यार्थियों द्वारा आवेदन किये जा रहे हैं। ग्रीष्म अवकाश के दौरान विद्यालय प्राचार्य राज्य स्तर से

उपलब्ध करायी गयी अध्ययन सामग्री को विद्यार्थियों के व्हाट्सअप ग्रुप पर साझा करेंगे। इसी के साथ प्राचार्य विद्यार्थियों की प्रगति की समीक्षा कर उनके कठिन बिन्दुओं के संबंध में विषय शिक्षकों के साथ साझा कर विद्यालय स्तर पर कार्य-योजना बनायेंगे।

प्रदेश में शासकीय विद्यालयों में ग्रीष्म अवकाश के बाद 2 जून से 14 जून के मध्य उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिये शालाओं में प्रातः 10-30 बजे से कक्षाएँ संचालित होंगी। विद्यार्थियों को गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी, हिन्दी और संस्कृत विषय की अध्ययन सामग्री प्रति सप्ताह जून माह में 2, 6 और 14 जून को विमर्श पोर्टल पर प्रसारित की जायेगी। शासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों से कहा गया है कि वे विषय शिक्षकों को अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के सम्पर्क में रहने को कहें। इसी के साथ उनकी शैक्षणिक प्रगति का निरंतर मूल्यांकन करें।

जिला स्तर पर अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक को विशेष कक्षाओं के विधिवत संचालन के लिये नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाये। द्वितीय परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों में परीक्षा के तनाव को कम करने के लिये विद्यार्थियों से सतत चर्चा करने के लिये कहा गया है। विद्यार्थियों को विमर्श पोर्टल पर उपलब्ध टिप्स एण्ड ट्रिक्स के वीडियो दिखाये जायें।

ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण की नई इबारत लिख रहा मध्यप्रदेश

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि महिलाओं के सशक्तिकरण के बिना मानवता की प्रगति अधूरी है। नारी सशक्तिकरण आर्थिक विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण आधार है। राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका को सशक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के विजन को मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मिशन बनाकर साकार कर रहे हैं। केन्द्र और राज्य सरकार का फोकस वित्तीय सहायता, कौशल और प्रशिक्षण के माध्यम से महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने पर रहा है। ग्रामीण महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक परिस्थितियों में बदलाव प्रमुख ध्येय है। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधीन संचालित एक महत्त्वाकांक्षी पहल है, जिसने विगत वर्षों में ग्रामीण क्षेत्रों विशेष रूप से महिलाओं के जीवन में आमूलचूल परिवर्तन किया है। मिशन की बहुआयामी गतिविधियाँ आज ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन चुकी हैं। कृषि, महिला उद्यमिता, वित्तीय समावेशन, स्व-रोजगार, प्रशिक्षण और सामाजिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में यह मिशन न केवल मध्यप्रदेश बल्कि समूचे देश के लिए प्रेरणास्त्रोत बन चुका है।

मिशन की अभिनव पहल %नमो ड्रोन दीदी योजना% के तहत अब तक 89 महिलाओं को अत्याधुनिक ड्रोन तकनीक से प्रशिक्षित कर उन्हें कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया गया है। ये %ड्रोन दीदी% अब तक 17,393 एकड़ भूमि पर कीटनाशक छिड़काव का कार्य कर चुकी हैं, जिससे 47.94 लाख रुपये की आय अर्जित की गई है। यह पहल महिला सशक्तिकरण और स्मार्ट कृषि तकनीक के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है।

पिछड़ा वर्ग कन्या छात्रावास शीघ्र प्रारंभ करें -राज्यमंत्री गौर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमन्तु और अर्धघुमन्तु कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने नीमखेड़ा जबलपुर में नवनिर्मित पिछड़ा वर्ग कन्या छात्रावास को शीघ्र प्रारम्भ करने के निर्देश दिए है । राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने रविवार को जबलपुर भ्रमण के दौरान नवनिर्मित 500 सीटर पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास का निरीक्षण किया। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने नवनिर्मित छात्रावास के कक्ष, मेस,किचन सहित सम्पूर्ण परिसर और उपलब्ध संसाधनों का निरीक्षण किया। उन्होंने छात्रावास परिसर की अधूरी बाउंड्रीबॉल को शीघ्र पूर्ण कराए जाने एवं परिसर में पौधारोपण करने के भी निर्देश दिए।

चित्रकूट के समग्र विकास में हर व्यक्ति का विकास समाहित

प्रभारी मंत्री ने रामायण कुटी में की साधु-संतों से की भेंट

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास मत्री तथा सतना जिले के प्रभारी मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपने चित्रकूट प्रवास के दूसरे दिन रामायण कुटी में जाकर साधु-संतों से भेंट की और उन्हें चित्रकूट विकास की समेकित योजनाओं की जानकारी दी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अयोध्या में श्रीरामलला मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बाद सतना जिले के धार्मिक स्थल चित्रकूट में श्रद्धालुओं और तीर्थ यात्रियों का आवागमन कई गुना बढा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार चित्रकूट के समग्र विकास के लिए परियोजना कार्यो को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि चित्रकूट के समग्र विकास में हर व्यक्ति का विकास समाहित है। इस मौके पर नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, विधायक चित्रकूट सुरेन्द्र सिंह गहरवार, महापौर योगेश ताम्रकार, रामायण कुटी के संत रामहदय दास जी, संतोषी अखाडा के महंत संतोषी महाराज, कामतानाथ मंदिर के मदन गोपाल महाराज, सनकादिक महाराज, रामजी दास महाराज, सीताशरण महाराज, जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर, डीआरआई के संगठन सचिव अभय महाजन, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता भी उपस्थित थे। प्रभारी मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश के सभी धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व के स्थलों का विकास किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में महाकाल लोक के बाद भगवान राम की तपोस्थली चित्रकूट और मां शारदा लोक मैहर के विकास की योजना प्राथमिकता से रि यान्वित की जा रही है। उन्होंने कहा कि चित्रकूट धाम प्रदेश की पहचान बन गया है। यहां का प्राकृतिक सौन्दर्य बरकरार रखते हुए विकास के वातावरण में सारी सुविधाओं के विकसित होने पर श्रद्धालुओं के आगमन की संख्या गई गुना बढेगी। कामदगिरि पर्वत, भगवान श्री कामतानाथ मंदिर, पवित्र सलिला, मां मंदाकिनी को स्वच्छ और सदानीरा बनाये रखने और श्रद्धालुओं की सुविधा के कार्य समेकित विकास योजना में लिये गये हैं। उन्होंने बताया कि मां मंदाकिनी को पवित्र और सदानीरा बनाये रखने ड्रेनेज का पानी नदी में नहीं मिलाकर इसे खेतों में ले जाकर सिंचाई में उपयोग करने की कार्य योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि भारत देश में पहाड, नदी, जल स्त्रोत, जीव-जंतु सभी पूज्यनीय है। चित्रकूट को हरा-भरा रखने और मां मंदाकिनी को सदानीरा बनाये रखने 5 लाख पौधे लगाये जायेंगे। चित्रकूट आने वाले श्रद्धालुओं और भक्तों को चित्रकूट और मंदाकिनी को सदा स्वच्छ रखने के लिए जागरूकता लाने की आवश्यकता है। उन्होंने साधु-संतों द्वारा दिये गये ज्ञापन पर आवश्यक कार्यवाही करने का आश्वासन देते हुए कहा कि संतो के चेहरे पर मुस्कान कायम रखी जायेगी और उनसे यह अपेक्षा है कि चित्रकूट के सर्वागीण विकास के कार्यो में यथा संभव सहयोग और आशीर्वाद प्रदान करते रहे।

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर का शासन न्याय और सुशासन का प्रतीक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास मत्री तथा सतना जिले के प्रभारी मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि लोकमता देवी अहिल्याबाई होल्कर का शासन, न्याय और सुशासन का अनूठा उदाहरण है। वह कुशल प्रशासक, बुद्धिमान और रणनीति कार महिला शासक रही है। तत्कालीन समय में सारा देश युद्ध के वातावरण में था लेकिन उन्होंने अपने राज्य में कोई भी युद्ध नहीं होने दिया। दार्शनिक राजा होने के साथ वह कुशल वक्ता भी रही हैं। प्रभारी मंत्री सोमवार को लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती समारोह के अवसर पर चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय और डीआरआई द्वारा संयुक्त तत्वाधान में आयोजित व्याख्यान माला को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, विधायक चित्रकूट सुरेन्द्र सिंह गहरवार, विधायक वि म सिंह, महापौर योगेश ताम्रकार, कुलगुरू ग्रामोदय विश्वविद्यालय प्रो. भरत मिश्रा, जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय, जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर, डीआरआई के संगठन सचिव अभय महाजन, प्रबल श्रीवास्तव, अनिल जायसवाल, कार्तिकेय द्विवेदी भी उपस्थित थे।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि 31 मई से पूरे देश में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती समारोह को जयंती वर्ष के रूप में पूरे वर्ष भर मनाया जायेगा। मालवा क्षेत्र की महारानी देवी अहिल्याबाई होल्कर ने शिव भक्ति की आराधना में लीन होते हुए शासक के रूप में कुशल रणनीति और कुशल कूटनीति का उत्कृष्ट उदाहरण दिया। इतिहास में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर अकेली महिला शासक रही। जिन्होंने 28-30 सालों तक शासन करते हुए अपने राज्य में एक भी युद्ध नहीं होने दिया और ना ही उनके शासन काल अकाल पडा। कुशल सुशासन उत्पादन का कुशल प्रबंधन और न्याय प्रियता, सेवा, धर्म की धनी देवी अहिल्याबाई होल्कर आधुनिक विचाराधारा के बावजूद अपने सनातन परंपरा को पल्लवित करने का काम किया। धर्म परायण, समाज सुधारक, संगीत प्रेमी, मालवा की महारानी होने पर भी सामान्य स्वरूप में महेश्वर के महल में रही है। जिन्होंने हिन्दूत्व के स्वाभिमान को जगाने के लिए टूटे हुए मंदिरों को पुर्ननिर्माण कराया और 250 मंदिर बनवाये। देवी अहिल्याबाई होल्कर ने पूरे देश के द्वादस ज्योर्तिलिंग और चारों धाम के मंदिरों का पुर्ननिर्माण विकास कर आध्यात्मिक और सनातनी धर्म का संरक्षण किया। उन्होंने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन से बहुत कुछ सीखा जा सकता है और हर वर्ग का व्यक्ति माता अहिल्या के जीवन का अनुसरण कर महान व्यक्ति बन सकता है।

देवी अहिल्याबाई पर आधारित चित्र प्रदर्शनी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास मत्री तथा सतना जिले के प्रभारी मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय और नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती समारोह के अवसर पर महात्मा चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस दौरान उन्होंने विश्व विद्यालय के फाइन आर्ट के छात्र-छात्राओं द्वारा अहिल्याबाई होल्कर के जीवन चरित्र पर आधारित चित्रों का गंभीरतापूर्वक अवलोकन किया। इस मौके पर विधायक चित्रकूट सुरेन्द्र सिंह गहरवार, विधायक वि म सिंह, महापौर योगेश ताम्रकार, कुलगुरू ग्रामोदय विश्वविद्यालय प्रो. भरत मिश्रा, जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय, जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर,बालेन्द्र गौतम भी उपस्थित थे।

अनुपयोगी शासकीय वाहन की नीलामी की कार्यवाही निरस्त

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संभागीय योजना एवं सांख्यिकीय कार्यालय के अनुपयोगी शासकीय वाहन की 27 मई को शाम 4 बजे से कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित होने वाली खुली नीलामी की कार्यवाही निरस्त कर दी गयी है।

चित्रकूट में माँ मंदाकिनी के स्वच्छता अभियान कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

रीवा संभाग के कमिश्नर ने सफाई अभियान में किया श्रमदान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत अविरल एवं निर्मल माँ मन्दाकिनी के संकल्प के साथ चित्रकूट के पूज्य सन्त समाज, सामाजिक संस्थाओं एवं रहवासियों की सक्रिय सहभागिता के साथ माँ मन्दाकिनी स्वच्छता अभियान आरम्भ हुआ। माँ मन्दाकिनी के स्वच्छता अभियान कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के जलशक्ति मंत्री श्री स्वतंत्र देव सिंह, राज्य मंत्री श्री रामकेश निषाद, जल पुरुष पद्मश्री उमाशंकर पांडेय, श्री विराग गुप्ता, पूर्व मंत्री श्री चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय के साथ रीवा संभाग के कमिश्नर बी. एस. जामोद भी मन्दाकिनी नदी के स्वच्छता अभियान कार्यक्रम में शामिल हुए और श्रमदान किया। दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव अभय महाजन के संयोजकत्व व जन अभियान परिषद एवं विभिन्न संगठनों के सहयोग से चित्रकूट में पूरे उत्साह के साथ यह अभियान शुरू हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में संतगण, शिक्षाविद, सामाजिक कार्यकर्ता, जन अभियान परिषद के सम्भागीय समन्वयक प्रवीण पाठक, एसडीएम मझगवां ए पी द्विवेदी, जिला समन्वयक जन अभियान परिषद के कार्यकर्ता व चित्रकूट के रहवासियों ने भी मन्दाकिनी नदी के सफाई अभियान में अपनी सहभागिता निभाई कार्यक्रम में शामिल हुए।

लोकमाता देवी अहिल्याबाई का व्यक्तित्व एवं कृतित्व आज भी हमे प्रेरित करते है : डॉ. आई.पी.प्रजापति

महाविद्यालय सीधी के मार्गदर्शन में शासकीय महाविद्यालय मड़वास में एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। म.प्र.शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार एवं डॉ. पी.के.सिंह प्राचार्य (अग्रणी) संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय सीधी के मार्गदर्शन में शासकीय महाविद्यालय मड़वास में एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन ' लोकमाता देवी अहिल्याबाई बाई व्यक्तित्व एवं कृतित्व ' विषय पर किया गया । कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं लोकमाता देवी अहिल्याबाई को पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया । कार्यक्रम में वक्ता के रूप में डॉ. लक्ष्मीकांत कुशवाहा उपस्थित थे। आपने लोकमाता देवी अहिल्याबाई के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में बताया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आई.पी.प्रजापति ने की ।इस अवसर पर आपने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई का व्यक्तित्व और कृतित्व दोनो ही प्रेरणादायक है और दोनो ही आज भी हमे प्रेरित करते है। कार्यक्रम का संचालन संयोजक डॉ. दीपक अग्निहोत्री ने किया । वही आभार प्रदर्शन डॉ. सुरेंद्र गुप्ता ने किया । इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार से डॉ. कमलेश जायसवाल डॉ. अनुराग तिवारी,डॉ. राजेश पटेल, डॉ. रामधारी जायसवाल, डॉ संगीता मिश्रा, डॉ. ज्योति रजक, प्रो.प्रवीण कुमार,डॉ.पंकज मिश्रा ,डॉ. अमिता खरे श्री अनिल कुमार केवट मंदाकिनी तिवारी सांवली सेन रविता साकेत सहित महाविद्यालय के छात्र/छात्राए उपस्थित थे।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस आगामी 31 मई को मनाया जायेगा। मद्यपान तथा मादक पदार्थों, नशीली दवाईयों एवं शराब तथा विभिन्न प्रकार के नशे से होने वाले दुष्परिणामों से समाज, युवाओं को अवगत कराने हेतु नशामुक्ति के लिये जनजागृति कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज के युवाओं एवं बच्चों को तम्बाकू से बने उत्पादों के सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, टीव्ही, ह्रदय रोग आदि से बचाव करने के लिये जन जागरूकता लाना है। विभिन्न विभागों लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, स्कूल शिक्षा, पुलिस, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, आयुष, महिला एवं बाल विकास, जनजातीय कार्य विभाग, अनुसूचित जाति कल्याण विभाग की सहभागिता एवं जन अभियान परिषद, प्रजापिता ब्राम्हकुमारी, गायत्री परिवार, स्वैच्छिक संस्थाओं तथा धार्मिक संगठन के सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे ने बताया कि 31 मई को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जायेगी। स्वास्थ्य विभाग अन्तर्गत संचालित तम्बाकू नियंत्रण केन्द्र द्वारा तम्बाकू उत्पादों के सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों पर आधारित पोस्टर प्रदर्शनी लगाई जायेगी।

जिले की प्रथम ड्रोन पायलट ड्रोन दीदी के नाम से जानी जाती है

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले की पहली ड्रोन पायलट सविता ड्रोन दीदी के नाम से जानी जाती है। प्रधानमंत्री नमो ड्रोन योजना के तहत सविता विश्वकर्मा का चयन ड्रोन पायलट के लिये हुआ था और उन्होंने इंदौर से प्रशिक्षण प्राप्त किया। वह जिले की पहली ड्रोन पायलट बनकर अपने गांव के आसपास खेतों में खाद व दवाई का छिड़काव कर अपनी आजीविका को बेहतर ढंग से चला रही हैं। जिले के ग्राम पंचायत पड़िया के ग्राम बेलहा निवासी संगीता की पूर्व में आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। किसी तरह अपने पति एवं चार बच्चों का बमुश्किल जीवनयापन करती थी। सविता ने ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर सात हजार रूपये का ऋण लिया और सिलाई मशीन खरीदी। मशीन से सिलाई कर वह अपने परिवार का भरण पोषण करने लगी और अपने पति को मोटर मैकेनिक का बैंक लिंकेज से प्राप्त राशि से ऋण दिलवाकर प्रशिक्षण दिलवाया। सविता कृषि सखी प्रशिक्षण में प्रतिभागी हुईं और उनका चयन ड्रोन पायलट के लिये हुआ। इंदौर से प्रशिक्षण प्राप्त कर सविता प्रधानमंत्री नमो ड्रोन योजना में जिले की पहली ड्रोन पायलट बनी और अपने गांव के आसपास ड्रोन से खाद व दवाई का छिड़काव खेतों में करने लगीं। अब सविता प्रतिमाह 12 से 15 हजार रूपये कमा लेती हैं और अपनी आजीविका को बेहतर ढंग से चला रही हैं। लोग सविता को ड्रोन दीदी के नाम से जानने लगे हैं।

कलेक्टर मऊगंज ने अवैध उत्खनन पर लगाया 10.08 करोड़ का जुर्माना

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर मऊगंज ने अवैध उत्खनन करने पर कृष्ण कुमार सिंह निवासी ग्राम नेंगुड़ा जिला सीधी पर 10 करोड़ 8 लाख एक हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। यह कार्यवाही मध्यप्रदेश खनिज अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण नियम 2022 के प्रावधानों के तहत की गई है। इस संबंध में जारी आदेश के अनुसार कृष्ण कुमार सिंह को ग्राम हर्रहा में एक हेक्टेयर क्षेत्र में पत्थर उत्खनन की लीज दी गई है। इस खदान का एसडीएम, नायब तहसीलदार द्वारा निरीक्षण करके जाँच करने पर खदान में गंभीर अनियमितता पाई गई। खदान की फेंसिंग नहीं की गई। कहीं पर भी खदान में सूचना बोर्ड नहीं लगाए गए हैं। लीज धारक द्वारा स्वीकृत खसरा नम्बर के बाहर जाकर कदुआमन बांध के डूब क्षेत्र में उत्खनन किया गया जो कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के प्रावधानों का खुला उल्लंघन है। निरीक्षण के समय खदान के पास 67 हजार 200 घन मीटर क्षेत्र में अवैध उत्खनन पाया गया। जिसके कारण जुर्माने की कार्यवाही की गई है। जुर्माने की राशि 15 दिन की समय सीमा में जमा न कराने पर प्रकरण दर्ज कर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी।

युवा संगम कार्यक्रम में 568 युवाओं को मिला रोजगार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, स्वरोजगार के हितग्राहियों को हितलाभ देने के उद्देश्य से युवा संगम कार्यक्रम का जिला मुख्यालय में वृहद आयोजन किया गया। सतपुड़ा आईटीआई रीवा परिसर में आयोजित मेगा जॉब फेयर में 568 युवाओं को विभिन्न निजी कंपनियों में रोजगार के अवसर पर प्राप्त हुए। उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने जानकारी दी कि मेगा जॉब फेयर में 12 कंपनियों द्वारा युवाओं को रोजगार प्रदान किये गये। जिले में 873 युवा पंजीकृत हुए जिनमें से 568 युवाओं को चयनित किया गया।

रोजगार मेले में सिटी कार सतना में 10, शक्ति पंप इंडिया लि. पीथमपुर धार में 44, ख्याति शील्ड वेन्टुरेज प्रा. लि. रायपुर छत्तीसगढ़ में 10, प्रगतिशील एग्रोटेक प्रा. लि. रीवा में 36, एचडीएफसी लाइफ इश्योरेन्स कंपनी लिमि. रीवा 30, प्रगतिशील बायोटेक प्रा. लि. रीवा में 48, महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा नासिक महाराष्ट्र में 77, विन्ध्या टेलीलिंक लि. चोरहटा रीवा में 44, एमआरएफ टायर भारूच गुजरात में 43, ग्रेट आर्ग्रेनिक डायमंड प्राईवेट लिमिटेड सागर में 26, मैकलेओड्स फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड इंदौर में 105 तथा अदानी मुद्रा सोलर कच्छ गुजरात 95 में युवाओं का चयन किया गया।

रीवा में बाइक के सामने मवेशी आने से हादसा, देवर-भाभी घायल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा शहर से गांव जा रहे देवर और भाभी सड़क हादसे का शिकार हो गए. जिसमें देवर को गंभीर चोट आई है. घायलों को उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है . घटना के संबंध में गुढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम दुआरी निवासी ऋषि ने बताया कि वो अपनी भाभी बुटान को लेकर बाइक से अपने गांव दुआरी जा रहा था . जैसे ही ग्राम तमरा के समीप पहुंचा तभी अचानक बाइक के सामने मवेशी आ गए, जिन्हें बचाने के प्रयास में बाइक अनियंत्रित हो गई और मवेशी से जा टकराई .

रीवा में महिला से अड़ी बाज़ी के मामले में शातिर अपराधी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा शहर की अमहिया पुलिस ने शातिर अपराधी अजय पांडे को महिला से अड़ी बाज़ी के मामले में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया. बतादें कि आरोपी हाल ही में ज़िला बदर की अवधि पूरी कर शहर में लौटा था और पुनः आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त हो गया था . थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल के मुताबिक आरोपी अजय पांडे के खिलाफ शहर के विभिन्न थानों में गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं .उसकी गतिविधियों से आमजन में भय एवं असुरक्षा का माहौल बनता जा रहा था .

विचार

राजनीति में अपशब्दों का बढ़ता प्रचलन!

भारत, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहा जाता है, एक ऐसा देश है जहां विविधता उसकी ताकत और चुनौती दोनों है। यहां की राजनीति में विभिन्न दलों के राजनेता अपने विचारों, नीतियों और नेतृत्व के माध्यम से जनता का विश्वास जीतने का प्रयास करते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में, भारतीय राजनीति में अपशब्दों और गैर-जिम्मेदाराना बयानों का बढ़ता उपयोग एक गंभीर मुद्दा बन गया है। यह न केवल सार्वजनिक विमर्श के स्तर को नीचे लाता है, बल्कि यह लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों, जैसे स्वतंत्रता, समानता, सम्मान और संवाद के खिलाफ भी है।

भारतीय राजनीति में अपशब्दों का प्रयोग पहले कतई नहीं होता था। लेकिन हाल के दशकों में इसकी तीव्रता और आवृत्ति में ड्क्षचताजनक वृद्धि हुई है। विभिन्न दलों के राजनेता, चाहे वे सत्ताधारी हों या विपक्षी, अक्सर एक-दूसरे पर निजी हमले करने, अपमानजनक टिप्पणियां करने और समाज को विभाजित करने वाले बयान देने में संकोच नहीं करते। उदाहरण के लिए, कुछ राजनेताओं ने अपने विरोधियों को 'नीच', 'मवाली', 'गद्दार', जैसे शब्दों से संबोधित किया है। ऐसे बयानों का उद्देश्य अक्सर अपने समर्थकों को उत्तेजित करना और विपक्ष को कमजोर करना होता है।

लेकिन यह लोकतांत्रिक मर्यादाओं को तोड़ता है। 2017 में, एक सांसद ने एक धार्मिक आयोजन में जनसंख्या वृद्धि के लिए एक विशेष समुदाय को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि देश में समस्याएं खड़ी हो रही हैं जनसंख्या के कारण। इसके लिए हिंदू जिम्मेदार नहीं हैं। जिम्मेदार तो वे हैं जो चार बीवियों और चालीस बच्चों की बात करते हैं। इस तरह के बयान न केवल सांप्रदायिक तनाव को बढ़ावा देते हैं, बल्कि समाज में विभाजन को और गहरा करते हैं। बढ़ती जनसंख्या चिंता का विषय है पर उस पर प्रहार जनसंख्या नियंत्रण की नीति बना कर किया जाना चाहिए न कि केवल भड़काऊ बयान देकर।

लोकतंत्र का गुण यह है कि ये जनता की भागीदारी, स्वतंत्र अभिव्यक्ति और विचारों के खुले आदान-प्रदान का मौका देता है। भारत का संविधान, विशेष रूप से अनुच्छेद 19, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है। लेकिन इसके साथ ही यह अपेक्षा भी करता है कि यह स्वतंत्रता जिम्मेदारी के साथ प्रयोग की जाए। जब राजनेता अपशब्दों और गैर-जिम्मेदाराना बयानों का सहारा लेते हैं, तो वे लोकतंत्र के सिद्धांतों का उल्लंघन करते हैं। जब राजनेता नीतियों और विचारों की बजाय व्यक्तिगत हमलों और अपशब्दों का प्रयोग करते हैं, तो यह विमर्श का स्तर गिराता है।

सार्वजनिक जीवन में हमें एक-दूसरे की नीयत पर भरोसा करना चाहिए, हमारी आलोचना नीतियों पर आधारित होनी चाहिए, व्यक्तित्व पर नहीं। आज के काफी राजनेताओं का व्यवहार इस सिद्धांत के विपरीत हो रहा है। गत 10 वर्षों से मुसलमानों को लेकर कार्यकर्त्ताओं और नेतृत्व के लगातार आने वाले विरोधी बयानों ने देश में भ्रम की स्थिति पैदा कर दी। उदाहरण के लिए, एक महिला नेता ने 2014 में एक सभा में लोगों को 'रामजादों' और 'हरामजादों' में बांटने की बात कही। दूसरी तरफ सरसंघचालक डा. मोहन भागवत कहते हैं कि 'हिंदू और मुसलमानों का डी.एन.ए. एक है, या मुसलमानों के बिना हिंदुत्व नहीं है।'

सेना में दिखने लगा महिला शक्ति का दम

रमेश सर्राफ धमोरा

भारतीय सेना में महिला शक्ति का दम दिखाई देने लगा है। पुरुषों की तरह महिलाएं भी सेना में बढ़ चढ़कर अपनी योग्यता का प्रदर्शन कर रही हैं। इसका ताजा उदाहरण हाल ही में सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की प्रेस ब्रीफिंग में सेना की दो महिला अधिकारियों द्वारा युद्ध से संबंधित जानकारी देना एक महत्वपूर्ण कदम रहा है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भारत के पराक्रम की तस्वीर को पूरी दुनिया के सामने पेश किया और बताया कि आखिर ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने कैसे और या कार्यवाही की। सेना की दोनों महिला अधिकारियों ने सैनिक कार्यवाही की हर दिन प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से देश दुनिया को ताजा जानकारी प्रदान कर यह दिखा दिया कि भारत में महिला शक्ति भी किसी से कम नहीं है।

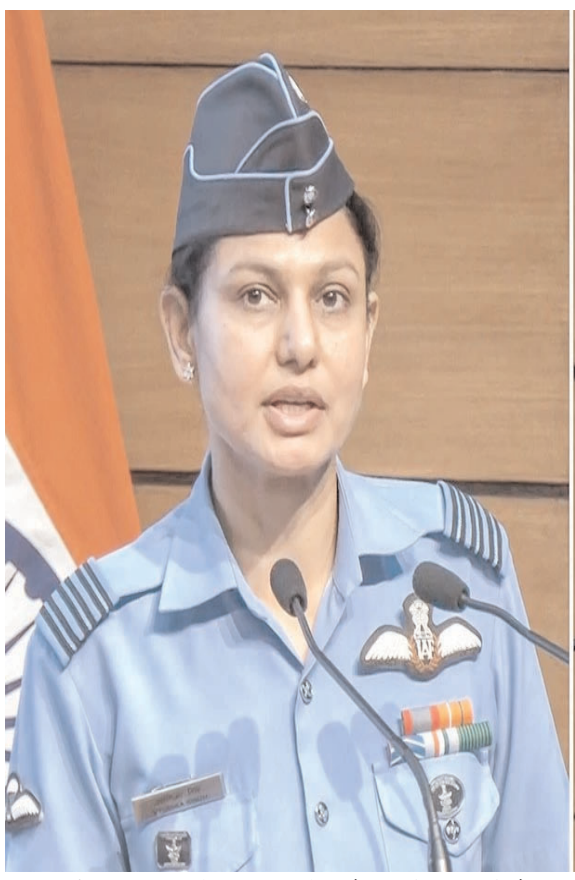

अर्थात: जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवता रमते हैं। जहां नारियों की पूजा नहीं होती, वहां किए गए सभी कार्य निष्फल हो जाते हैं। हम देश में साल में दो बार नवरात्र पर मातृशक्ति रूपी मा दुर्गा की पूजा कर देश दुनिया को यह संदेश देते हैं कि मातृ शक्ति भी किसी से कम नहीं है। अब तो हमारी सेना में पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर अपनी उत्कृष्ट क्षमता दिखा दी है। महिलाएं फाइटर प्लेन उड़ा रही है। तो युद्ध भूमि में हर प्रकार की भूमिका निभाने को तैयार नजर आ रही है।

भारतीय सशस्त्र बलों में महिलाओं की भागीदारी का इतिहास लंबे संघर्ष और बदलावों से भरा रहा है। स्वतंत्रता संग्राम के समय से ही महिलाएं भारत की सुरक्षा और सेवा में अप्रत्यक्ष रूप से योगदान देती रही हैं। लेकिन सेना में औपचारिक तौर पर उनकी नियुक्ति का रास्ता बहुत बाद में खुला। साल 1943 में बनी रानी झांसी रेजिमेंट, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज का हिस्सा थी। यह पहली बार था जब महिलाएं युद्ध के मोर्चे पर सक्रिय रूप से दिखाई दी।

आजादी के बाद भी सशस्त्र बलों में महिलाओं को लंबे समय तक सहायक भूमिकाओं तक ही सीमित रखा गया।

भारत की तीनों सेनाओ (थल सेना, नौसेना, वायु सेना) में महिलाओं की संख्या को लेकर अगस्त 2023 में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने संसद में बताया था कि तीनों सेना में 11414 महिलाएं सेवाएं दे रही है। थल सेवा में 7054 महिलाएं सेवारत है। इनमें 1733 महिला अधिकारी है। यह आंकड़ा 1 जनवरी 2023 तक का है। भारतीय वायु सेवा में 1654 अधिकारी सेवारत है जबकि 155 महिलाएं एयर मेन (अग्निवीर) के रूप में सेवा दे रही है। भारतीय नौसेना में 580 महिलाएं अधिकारी के रूप में सेवारत है जबकि 727 महिलाएं सैलर्स (अग्निवीर) के तौर पर तैनात है।

इसी तरह 1212 महिलाएं भारतीय थल सेना के आर्मी मेडिकल कॉर्प्स में 168 महिलाएं आर्मी डेंटल कार्स में और 3841 महिलाएं मिलिट्री नर्सिंग सर्विस में कार्यरत है। 151 महिलाएं नौसेना के मेडिकल कॉर्प्स में 10 महिलाएं डेंटल कार्य और 380 महिलाएं मिलिट्री नर्सिंग सर्विस में सेवारत है। 274 महिलाएं भारतीय वायु सेवा के मेडिकल कॉर्प्स में पांच महिलाएं डेंटल कॉर्प्स में और 425 महिलाएं मिलिट्री नर्सिंग सर्विस में सेवारत है।

पहले महिलाओं को शार्ट सर्विस कमीशन में ही लिया जाता था। लेकिन फरवरी 2020 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद महिलाओं को सेना में स्थाई कमीशन मिलने लगा है। अब एनडीए की कुल सीटों का 10 प्रतिशत सीटों पर लड़कियां सिलेक्ट होती है और वह भी ओपन कंपटीशन में मुकाबला करके। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मार्च 2025 में संसद में बताया था कि 2022 में महिला कैडेट्स के पहले बैच की एंट्री के बाद से अब तक एनडीए में 126 महिलाओं को एडमिशन मिला है। आर्म्ड फोर्सज में आने के बाद उनके लिए भी अवसर समान होते हैं। उनका करियर प्रोग्रेस वैसा ही होगा जैसा लड़कों का होगा। सर्विस रूट समान होते हैं। अब हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि हमारी सेना में पूरी तरह जेंडर न्यूट्रलाइजेशन हो गया है।

सेना में आज हमारी महिला कॉम्बैट पायलट भी है। जो मिसाइल चलती है मोर्चे पर भी जाती है। वह इंजीनियरिंग का कार्य भी देखती है और सैटेलाइट को भी नियंत्रित करती है। अब महिलाएं डिफेंस भी करती है। टेक्निकल इंटेलिजेंस भी एकत्रित करती है। अभी तक आमने-सामने की लड़ाई में महिलाओं को नहीं भेजा जाता है। राजस्थान में झुंझुनू जिले की स्क्वाड्रन लीडर मोहन सिंह 2016 में भारतीय वायु सेवा की तेजस फाइटर स्पाइडर में शामिल होने वाली पहली महिला बनी। इससे पहले वह मिग 21 बाइसन फाइटर प्लेन भी उड़ा चुकी है। ग्रुप कैप्टन सालिया धामी वायु सेवा की ऐसी पहली महिला अधिकारी बनी है जो फ्रंटलाइन काम्पैक्ट यूनिट की कमान संभाल रही है। फ्लाइंग यूनिट की फ्लाइट कमांडर बनने वाली भी वह पहली महिला अधिकारी है। भारत की सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा और थलसेना एवं नौसेना की चिकित्सा सेवाओं का नेतृत्व महिला अधिकारी ही कर रही हैं।

रक्षा बलों में लैंगिक समानता सुनिश्चित करने की दिशा में भारत की प्रगति धीमी रही है। लेकिन लोगों का मानना है कि इसमें लगातार प्रगति हुई है। अब एक साथ बहुत सारी महिलाएं प्रमुख भूमिकाओं में हैं। वे दूसरों के लिए रास्ता बना रही हैं। उनके प्रदर्शन पर बहुत कुछ निर्भर करेगा। अगर वे अच्छा काम कर रही हैं तो उन्हें स्वीकार करना आसान होगा और आने वाली महिलाओं के लिए रास्ता साफ हो जाएगा।

शॉर्ट सर्विस कमीशन के तहत महिलाएं केवल 10 या 14 साल तक सेवाएं दे सकती हैं। इसके बाद वो सेवानिवृत्त हो जाती हैं। लेकिन अब उन्हें स्थायी कमीशन के लिए आवेदन करने का भी मौका मिलेगा। जिससे वो सेना में अपनी सेवाएं आगे भी जारी रख पाएंगी और रैंक के हिसाब से सेवानिवृत्त होंगी। साथ ही उन्हें पेंशन और सभी भत्ते भी मिलेंगे। 1992 में पांच साल के लिये शॉर्ट सर्विस कमीशन के लिए महिलाओं का पहला बैच भर्ती हुआ था। इसके बाद इस सर्विस की अवधि को 10 साल के लिए बढ़ाया गया। 2006 में शार्ट सर्विस कमीशन को 14 साल कर दिया गया।

भारतीय सेना अब महिलाओं को सशत्र बल में नियुक्ति के लिए उनके लिए तय की गई नीतियों को लागू कर प्रोत्साहित करती है। इसके लिए महिलाओं के लिए आर्मी मेडिकल कोर, आर्मी डेंटल कोर और मिलिटरी नर्सिंग सेवाओं के लिए परमानेंट कमिशन को मंजूरी दी गई है। अब 11 आर्म्स एंड सर्विसेज में महिला अधिकारियों को परमानेंट कमिशन मिलता है। जिनमें आर्मी सर्विस कोर, आर्मी आर्डनेंस कोर, आर्मी एडुकेशन कोर, जज एडवोकेट जनरल ब्रांच, इंजीनियर कोर, सिगनल कोर, इलेक्ट्रॉनिक्स और मकैनिकल कोर, इंटेलीजेंस कोर, आर्मी एयर डिफेंस, आर्मी एविएशन, रीमाउंट एंड वेटनरी कोर आदि शामिल हैं। परमानेंट कमिशन के बाद महिला अधिकारी इंडियन आर्मी के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में शामिल आर्टिलरी का हिस्सा बनने लगी है। सेना आर्टिलरी की लगभग 300 रेजिमेंट और लगभग 5,000 अधिकारी हैं। आर्टिलरी में शामिल महिला अधिकारियों की बोफोर्स, होवित्जर, के-9 वज्र जैसी तोपों पर भी 2023 में तैनाती की अनुमति दी जा चुकी है। वर्तमान में भारतीय सशस्त्र बलों में नियुक्तियों में लैंगिक आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाता है। पुरुष और महिला जवानों की हथियारों और सेवाओं के लिए तैनाती में किसी प्रकार का अंतर नहीं किया जाता है। सभी की पोस्टिंग सेना की जरूरतों के अनुसार की जाती है। भारतीय सेना में महिला अफसरों को परमानेंट कमिशन के लिए 23 नवंबर 2021 को एक जेंडर न्यूट्रल करियर प्रोग्रेशन पॉलिसी लाई गई थी।

किशोरों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति गंभीर चुनौती

ललित गर्ग

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति एवं क्रूर मानसिकता चिन्ताजनक है, नये भारत एवं विकसित भारत के भाल पर यह बदनुमा दाग है। पिछले कुछ समय से स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी, मर्मांतक एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता एवं क्रूर मानसिकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। कैथल जनपद के गांव धनौरी में दो किशोरों की निर्मम एवं क्रूर हत्या की हृदयविदारक घटना न केवल उद्वेलित एवं भयभीत करने वाली है बल्कि चिन्ताजनक है। चौदह-पंद्रह साल के दो किशोरों की गला रेतकर हत्या कर देना और वह भी उनके हमउम्र साथियों द्वारा, हर संवेदनशील इंसान को हिला देने वाली डरावनी एवं खैफनाक घटना है, जो किशोरों में पनप रहे हिंसक बर्ताव एवं हिंसक मानसिकता का घिनौना एवं घातक रूप है। जिस उम्र में बच्चों को पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए, उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता, हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। जाहिर है दसवीं-ग्यारहवीं के छात्रों की क्रूर हत्या हमारे समाज में बढ़ती संवेदनहीनता को भी दर्शाती है। ऐसी कई अन्य घटनाओं में स्कूल में पढ़ने वाले किसी बच्चे ने अपने सहपाठी पर चाकू या किसी घातक हथियार से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली। अमेरिका की तर्ज पर भारत के बच्चों में हिंसक मानसिकता का पनपना हमारी शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना पर कई सवाल खड़े करती है।

जैसाकि घटना से संबंधित तथ्यों में बताया गया कि हत्या में शामिल युवक धनौरी गांव के ही थे और कुछ दिन पहले किशोरों को धमकाने उनके घर आए थे। मारे गए किशोरों पर हत्या आरोपियों ने आरोप लगाया था कि वे उनकी बहनों से छेड़खानी करते थे। निश्चय ही ऐसे छेड़खानी के कथित आरोप को नैतिक दृष्टि से अनुचित ही कहा जाएगा, लेकिन उसका बदला हत्या कदापि नहीं हो सकती। यह दुखद है कि एक मृतक किशोर अरमान पांच बहनों का अकेला भाई था। घटना से उपजी त्रासदी से अरमान के परिवार पर हुए वज्रपात को सहज महसूस किया जा सकता है। उनके लिये जीवनभर न भुलाया जा सकने वाला दुख एवं संत्रास पैदा हुआ है। बड़ा सवाल है कि जिन वजहों से बच्चों के भीतर आक्रामकता एवं हिंसा पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा है? पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई-लिखाई के तौर-तरीके, बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहार, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर सिनेमा तक उसकी सोच-समझ को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मन:स्थितियों के बारे में सरकार, समाजकर्मी एवं अभिभावक क्या समाधान खोज रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

बहरहाल, इस हृदयविदारक एवं त्रासद घटना ने नयी बन रही समाज एवं परिवार व्यवस्था पर अनेक सवाल खड़े किये हैं। सवाल नये बन रहे समाज की नैतिकता एवं चरित्र से भी जुड़े हैं। निश्चित ही किसी परिवार की उम्मीदों का यूं कत्ल होना मर्मांतक एवं खौफनाक ही है। लेकिन सवाल ये है कि चौदह-पंद्रह साल के किशोरों पर यूं किन्हीं लड़कियों को छेड़ने के आरोप क्यों लग रहे हैं? पढ़ने-लिखने की उम्र में ये सोच कहां से आ रही है? क्यों हमारे अभिभावक बच्चों को ऐसे संस्कार नहीं दे पा रहे हैं ताकि वे किसी की बेटी व बहन को यूं परेशान न करें? क्यों लड़कियों से छेड़छाड़ की अश्लील एवं कामूक घटनाएं बढ़ रही है। क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था में नैतिक शिक्षा का वह पक्ष उपेक्षित हो चला है, जो उन्हें ऐसा करने से रोकता है? क्या शिक्षक छात्रों को सदाचारी व नैतिक मूल्यों का जीवन जीने की प्रेरणा देने में विफल हो रहे हैं? हत्या की घटना हत्यारों की मानसिकता पर भी सवाल उठाती है कि उन्होंने क्यों सोच लिया कि छेड़खानी का बदला हिंसा एवं क्रूरता से गला काटना हो सकता है? धनौरी की घटना के पूरे मामले की पुलिस अपने तरीके से जांच करेगी, लेकिन किशोर अवस्था में ऐसी घटना को अंजाम देने के पीछे बच्चे की मानसिकता का पता लगाना भी ज्यादा जरूरी है। दरअसल, दशकों तक बॉलीवुड की हिंदी फिल्मों ने समाज एवं विशेषत: किशोर पीढ़ी में जिस अपसंस्कृति का प्रसार किया, आज हमारा समाज उसकी त्रासदी झेल रहा है। इसमें दो राय नहीं कि किशोरवय में राह भटकने का खतरा ज्यादा रहता है। अब तक हिन्दी सिनेमा से समाज के किशोरवय और युवाओं में गलत संदेश गया कि निजी जीवन में छेड़खानी ही प्रेम कहानी में तब्दील हो सकती है। हमारे टीवी धारावाहिकों की संवेदनहीनता ने गुमराह किया है। बॉक्स आफिस की सफलता और टीआरपी के खेल ने मनोरंजक कार्यक्रमों में ऐसी नकारात्मकता एवं हिंसक प्रवृत्ति भर दी कि किशोरों में हिंसक एवं अराजक सोच पैदा हुई। इंटरनेट के विस्तार और सोशल मीडिया के प्रसार से स्वच्छंद यौन व्यवहार का ऐसा अराजक एवं अनियंत्रित रूप सामने आया कि जिसने किशोरों व युवकों को पथभ्रष्ट एवं दिग्भ्रमित करना शुरू कर दिया। आज संकट ये है कि हर किशोर के हाथ में आया मोबाइल उसे समय से पहले वयस्क बना रहा है। जिस पर न परिवार का नियंत्रण है और न ही शिक्षकों का। 'मन जो चाहे वही करो' की मानसिकता वहां पनपती है जहां इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, जहां व्यक्तिवादी व्यवस्था में बच्चे बड़े होते-होते स्वछन्द हो जाते हैं। अर्थप्रधान दुनिया में माता-पिता के पास बच्चों के साथ बिताने के लिए समय ही नहीं बच पा रहा।

आज किशोरों एवं युवाओं को प्रभावित करने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व नये-नये एप पश्चिमी अपसंस्कृति से संचालित हैं। इन पर अश्लीलता और यौन-विकृतियों वाले कार्यक्रमों का बोलबाला है। ऐसे कार्यक्रमों की बाढ़ हैं जिनमें हमारे पारिवारिक व सामाजिक रिश्तों में स्वच्छंद यौन व्यवहार को हकीकत बनाने का खेल चल रहा है। पारिवारिक एवं सामाजिक उदासीनता एवं संवादहीनता से ऐसे बच्चों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता।

बिलासपुर में महिला से सेक्सटॉर्शन कर 8.45 लाख ठगे, क्राइम ब्रांच अफसर बनकर किया था कॉल

ठग बोला-पोर्न फिल्म देखती हो, केस दर्ज हुआ है

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)।छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में महिला के साथ सेक्सटॉर्शन किया गया। साइबर ठगों ने पहले महिला को पोर्न वीडियो देखने पर केस दर्ज होने का डर दिखाया। उससे 8 लाख 45 हजार अकाउंट में ट्रांसफर करा लिए। डरा धमकाकर पैसों की डिमांड करते रहे। शुरुआत में बदनामी के चलते महिला ने पैसे दे दिए। हालांकि बाद में सिविल लाइन थाने में शिकायत की।

सीएसपी निमितेश सिंह ने बताया कि, सिविल लाइन क्षेत्र निवासी महिला ने शिकायत में बताया कि, करीब एक सप्ताह पहले उसके मोबाइल पर अनजान नंबर से कॉल आया। फोन करने वाले ने खुद को क्राइम ब्रांच का अफसर बताया। कथित अफसर ने महिला से कहा कि, वो बच्चों की पोर्न वीडियो देखती है। उनके खिलाफ थाने में केस दर्ज किया गया है। यह आरोप सुनकर महिला हैरान रह गई और डर गई।

किसी को बताने पर घर में छापेमारी की दी धमकी

कथित अफसरों ने महिला को अलग-अलग तरीकों से धमकी दी। कहा कि जांच में सहयोग नहीं करने पर उन्हें जेल भी जाना पड़ सकता है। ठगों ने कहा कि, घटना की जानकारी किसी से शेयर न करें, नहीं तो टीम उसके घर तक पहुंच जाएगी। जिसके बाद जेल भी जाना पड़ सकता है।

डिजिटल अरेस्ट करने की धमकी, ऑनलाइन ट्रांसफर कराए पैसे

उनकी बातों को सुनकर महिला दहशत में आ गई। कथित अफसरों की धमकी से डर कर उन्होंने घटना की जानकारी अपने परिजन को भी नहीं दी। वहीं, ठगों ने उन्हें डिजिटल अरेस्ट करने की भी धमकी दी। जिसके बाद महिला से किश्तों में 8 लाख 45 हजार रुपए बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करा लिए।

पैसों की डिमांड सुनकर पहुंची थाने

डर और बदनामी के चलते महिला ने ठगों को 8 लाख 45 हजार रुपए दे दिए। लेकिन, इसके बाद भी ठगों ने दबाव डालकर पैसों की डिमांड की। जिससे महिला परेशान हो गई। आखिरकार, वो अपनी शिकायत लेकर सिविल लाइन थाने पहुंच गई। जिस पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

कानून में नहीं है इस तरह का प्रावधान, इसलिए सतर्क रहें

साइबर ठगों से बचने के लिए पुलिस जागरूकता अभियान चला रही है। जिसमें साफ है कि साइबर ठगों से बचने के लिए सावधानी जरूरी है।

साइबर ठगों के झांसे में न आने, उनका कॉल आने पर इग्नोर करने।

पुलिस कभी फोन से इस तरह की बातें नहीं करती। न ही कानून में डिजिटल अरेस्ट का कोई प्रावधान है।

पुलिस ठगों से बचने के लिए लोगों को अनजान लोगों से सोशल मीडिया पर दोस्ती न करें।

छात्र सेक्सटॉर्शन के मामलों में सावधान रहें और किसी भी संदिग्ध स्थिति में तुरंत पुलिस या साइबर सेल से संपर्क करें।

ऑनलाइन निवेश और ट्रेडिंग से जुड़े कारोबार को धोखाधड़ी जैसे मामलों को लेकर भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

सतना की खबरें

पन्ना से आई सविता सिंह ने किया रक्तदान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।सतना रक्त की चंद बूंदे किसी को नया जीवन दे सकती है रक्त की महत्ता वही जान सकता है जिनको ब्लड की आवश्यकता होती है और वह ब्लड अगर [ब्लड बैंक] में उपलब्ध न हो तो परिजन अत्यंत निराश और परेशान हो जाते हैं।समाजसेवी एवं सिन्धु विकास समिति के अध्यक्ष विनोद गेलानी ने बताया विगत दिवस जिला अस्पताल में भर्ती 9 माह की बच्ची प्रगति यादव को 0 नेगेटिव ब्लड की अति आवश्यकता थी मगर ब्लड बैंक में ब्लड उपलब्ध न होने से परिजन अत्यंत परेशान हो गए जब जानकारी संस्था को मिली तो संस्था के सहयोगी आकाश बनर्जी के निवेदन पर पन्ना निवासी सविता सिंह जी ने सतना आकर ब्लड डोनेट कर बच्ची को नया जीवन देने का प्रयास किया

सविता सिंह जी ने रक्तदान करते हुए कहा यह हमारा सौभाग्य है कि हमारे खून से किसी का जीवन बचता है तो यह हमारे जीवन जी ने के उद्देश्य को सार्थक करता है में सिन्धु विकास समिति परिवार को साधुवाद देती हूं जो निरंतर मानवता की सेवा कर रहे हैं

सविता जी के रक्तदान करने पर समिति के संरक्षक श्रीचंद मनवाणी गोपी गेलानी मनोहर डिगवानी ज्ञान खटवानी इंद्रलाल आडवाणी श्रीचंद शीतलानी घनश्याम मंग़नानी संजय वाधवानी दिलीप सोनी गंगाराम सचदेव अमित कामरानी जितेंद्र गावरी दीपक वाधवानी मनीष टेकवानी रंजीत सेनानी अशोक चांदवानी कमल पुरस्वानी समाजसेवी मनमोहन माहेश्वरी विभाष बनर्जी आकाश बनर्जी आशीष मोगिया संजय आहूजा निक्की मनचंदानी विशाल राजपाल मोना चोपड़ा,राखी होतचंदानी,डॉक्टर मनीष सोई,मंजूषा शाह,निशा गोयल, रशिम जैन जागृति सिंह आभा सिंह डॉ विद्या पांडे कशिश नागदेव ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

रायपुर में तेज बारिश, पांचों संभाग में अलर्ट

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)।छत्तीसगढ़ में प्री मानसून की एंट्री से मौसम बदला हुआ है। रायपुर में तेज बारिश हो रही है। इससे पहले भिलाई में पानी बरसा। प्रदेश के सभी जिलों में आज भी यलो अलर्ट जारी है। रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर और सरगुजा संभाग के जिलों में बादल छाए रहने के साथ गरज चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। बिजली गिर सकती है।रविवार को भी दिनभर बादल छाए रहे, सुबह बौछारें पड़ी जिससे दिन का तापमान कम रहा। प्री मानसून एक्टिविटी के कारण पिछले कुछ दिन से बारिश हो रही है, जिसके कारण कई जिलों में अधिकतम तापमान सामान्य से 7 डिग्री तक लुढ़का है। मैनपाट में मौसम खुशनुमा हो गया है। सुबह से बादल छाए हैं, ठंडी हवाएं चल रही हैं।

बता दें कि देश में शनिवार को मानसून ने दस्तक दे दी है। छत्तीसगढ़ में मानसून के 5 जून से पहले पहुंचने की संभावना है। रविवार को मानसून कर्नाटक के कुछ और हिस्सों में सक्रिय हो गया है। दूसरी तरफ, दक्षिण छत्तीसगढ़ में मौजूद एक टर्फ और साइक्लोन सर्कुलेशन के कारण प्रदेशभर में बारिश हो रही है। अगले 3-4 दिनों तक प्रदेश में ऐसी ही स्थिति रहेगी। रायपुर में भी मौसम ठंडा रहा और दिन में हल्की बारिश से दिन का तापमान सामान्य के कम रहा लेकिन बारिश और हल्की धूप रहने के कारण उमस ने लोगों को परेशान किया। रविवार को रायपुर में दिन का तापमान 34.7 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। यह सामान्य से 7.8 डिग्री कम रहा । वहीं रात का तापमान 25.9 डिग्री रहा। यह सामान्य से 2.5 डिग्री कम था। आज भी बादल रहने की संभावना है। दिन के तापमान में थोड़ी वृद्धि होगी। यह 36 डिग्री तक पहुंच सकता है। प्रदेश में अगले 5 दिनों तक तापमान में बहुत अधिक बदलाव की संभावना नहीं है।

पीएम मोदी से साय ने की 'बस्तर की बात'

सीएम बोले- हाथों से बंदूकें छीनकर गेंद थमाई, नड्डा बोले- नक्सलवाद को हराने लगाई पूरी ताकत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। दिल्ली में पीएम मोदी ने भाजपा और एनडीए शासित 19 राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री की मीटिंग ली। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को लेकर बातचीत हुई। सीएम विष्णुदेव साय ने सरकार की ओर से नक्सल प्रभावित इलाकों में चलाई जा रही पुनर्वास और पर्यटन की योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि, कैसे सरकार बस्तर में आम लोगों की जिंदगी को आसान कर रही है। ष्टरू बोले कि, हमने हाथों से बंदूकें छीनकर गेंद थमाई है। खबर है कि, पीएम मोदी ने सीएम साय, डिप्टी सीएम विजय शर्मा और अरुण साव की ओर से दी गई जानकारी को सराहा है।

प्रेस ब्रीफ में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने बताया कि कैसे वहां नक्सलिज्म पर लड़ाई लड़ी जा रही है। वहां सफलता मिल रही है। गृहमंत्री विजय शर्मा जिस तरीके से नक्सल प्रभावित इलाकों में पुनर्वास की योजना चला रहे हैं। उससे प्रभावित होकर लोग मुख्यधारा में जुड़ रहे हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रणनीति पर भी चर्चा की है।

पीएम नरेंद्र मोदी बस्तर में ओलिंपिक आयोजन को लेकर प्रभावित दिखे। सीएम साय ने बताया कि, बस्तर ओलिंपिक और बस्तर पंडुम का आयोजन किया गया। 'खेलेगा इंडिया, जीतेगा इंडिया' मंत्र को ध्यान में रखकर बस्तर ओलिंपिक हुआ। यह अब सिर्फ एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि एक सामाजिक क्रांति बन चुका है। जिसने युवाओं के हाथों से बंदूकें छीनकर गेंद, भाला और तीर थमा दिए हैं।

मुख्यमंत्री साय ने दोरनापाल के पुनेन सन्ना का उदाहरण साझा किया, जो कभी नक्सल प्रभाव वाले क्षेत्र से थे, पर उन्होंने व्हीलचेयर रेस में मेडल जीता।

इस तरह हुआ बस्तर ओलिंपिक का आयोजन

7 जिलों में- 32 विकासखंडों से

1.65 लाख प्रतिभागियों ने भाग लिया।

3 चरण- विकासखंड, जिला और संभाग स्तर पर हुई प्रतियोगिता

4 कैटेगरी- जूनियर, सीनियर, महिला और दिव्यांग में अवॉर्ड दिए गए।

11 पारंपरिक खेल- जैसे तीरंदाजी, खो-खो, कबड्डी, दौड़, रस्साकशी शामिल किए गए थे।

बस्तर पंडुम भी बना मिसाल:

बस्तर पंडुम उत्सव में 1,743 सांस्कृतिक दलों और 47 हजार प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। ये 7 जिलों के 32 विकासखंडों की 1,885 ग्राम पंचायतों से आए थे। लोकनृत्य, गीत-संगीत, हाट-बाजार, पकवान प्रतियोगिताएं जैसे विविध रंगों से बस्तर पंडुम सजा था। यह उत्सव बुजुर्गों से लेकर युवाओं तक को जोड़ते हुए बस्तर की एकता, पहचान और विकास का प्रतीक बन गया।

सरकार ने 2.4 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि भी दी गई। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में इस आयोजन ने उत्सव और खेल के माध्यम से सकारात्मक भविष्य की नई चेतना जगाई है।को बताया कि, छत्तीसगढ़ में 'सुशासन एवं अभिसरण विभाग' का गठन कर योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। 'अटल मॉनिटरिंग पोर्टल' जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म से योजनाओं की निगरानी की जा रही है। जिससे शिकायतों का समाधान निर्धारित समय में संभव हो रहा है।

इस बैठक में ष्टरूने बताया कि, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला, आयुष्मान भारत और जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं को छत्तीसगढ़ में ग्रामसभा, जनसंवाद और तकनीक के माध्यम से आमजन तक पहुंचाया गया है।

बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि, जाति जनगणना उनकी सरकार के उस मॉडल की दिशा में एक कदम है। जिसके तहत वे हाशिए पर पड़े लोगों और हर क्षेत्र में पिछड़े लोगों को विकास की मुख्यधारा में लाएंगे। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता इसकी पुष्टि करती है कि देश ने आत्मनिर्भरता की दिशा में कई उपलब्धियां हासिल की हैं।

स्वदेशी डिफेंस टेक्नोलॉजी ने सटीक निशाना लगाते हुए पाकिस्तान के ड्रोन-मिसाइल मार गिराए। पीएम मोदी ने भाजपा-हृष्ठ शासित राज्य सरकारों को गुड गवर्नेंस अपनाने का भी कहा है।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि, मीटिंग में ऑपरेशन सिंदूर और जनगणना को लेकर प्रस्ताव पास हुआ। मोदी 3.0 के एक साल पूरे होने, इंटरनेशनल योग डे 10 साल पूरे होने और देश में लगी इमरजेंसी के 50 साल पूरे होने जैसे कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विचार किया गया।

उन्होंने कहा कि, पहला प्रस्ताव ऑपरेशन सिंदूर को लेकर था, जो प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में चलाया गया। हमारी सेना के काम की खूब सराहना की गई। यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। हमने यह साफ कर दिया है कि हम जाति की राजनीति नहीं करते, बल्कि हमारा मकसद है कि जो लोग वंचित, पीड़ित और शोषित हैं, जिन्हें अब तक नजरअंदाज किया गया है, उन्हें मुख्यधारा में लाया जाए। यही समाज की जरूरत है।

सतगुरू जी का सतना शहर में आगमन - पूरे शहर में भक्ति भाव की लहर उमड़ी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। हरे माधव सतगुरु जी की करुणा से पुलकित हुई सतना की भूमि, 24 मई 2025, सतना (म.प्र) की पावन धरती उस क्षण धन्य हो उठी, जब जीवनमुक्त सतगुरु बाबा ईश्वरशाह साहिब जी का पावन पदार्पण हुआ। यह कोई सामान्य संत आगमन नहीं था–यह आत्माओं के चिरप्रतीक्षित जागरण और अंतर-आलोक के उद्घाटन की वह विलक्षण घड़ी थी, जिसे शब्द नहीं, केवल अनुभूति ही कह सकती है।

जैसे ही हरिराया सतगुरु जी के चरण सतना की भूमि पर पड़े, वहाँ की हवाओं ने मधुरता ओढ़ ली, आकाश में मेघों ने फुहारों से स्वागत किया और प्रकृति के कण-कण ने जैसे नमन में झुक कर दिव्यता का वंदन किया। श्रद्धालु जन आरती थालों और पुष्पों के साथ, श्रद्धा और प्रेम से पूर्ण हृदय लिए अपने सतगुरु जी की एक झलक पाने को व्याकुल थे।

सीएमए ग्राउंड, हरे माधव चौक, रीवा रोड, सतना में विशाल हरे माधव सत्संग का शुभारंभ सतगुरु जी के दिव्य सान्निध्य में हुआ। भव्य शोभायात्रा के रूप में सतगुरु जी का स्वागत हुआ, जिसमें पूरे भारत वर्ष के प्रेमी जानो द्वारा हरे माधव ईश्वरनादम पथक (हरे माधव बैंड) से स्वागत हुआ । श्रद्धालुओं की आंखों से छलकते आनंदाश्रु उनके हृदयों में उठते भावों का प्रमाण थे।

सत्संग में सतगुरु वाणी "पूरा गुरु भवभंजनहारा, सतगुरु ऊँचा प्रभु स्यों न्यारा" (अमृत क्रमांक 1228) का दिव्य विवेचन हुआ, जिसमें बताया गया कि पूर्ण सतगुरु ही वह जीवननाविक हैं, जो आत्मा को जन्म-मरण के सागर से पार उतारते हैं। सतगुरु जी की मधुर वाणी, करुणामयी दृष्टि और भीतर तक उतरती मौन शिक्षा ने हजारों श्रद्धालुओं के हृदय को झंकृत कर दिया।

यह सत्संग केवल सतना तक सीमित न रहा। छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस दिव्य अनुग्रह के साक्षी बने। क्रीन पर शहंशाह सतगुरु बाबा नारायणशाह साहिब जी द्वारा हरे माधव पावन अक्षय भंडारी लोटे में पावन गंगा जी के प्रगटीकरण की पुरातन लीलाओं के दर्शन कर संगत भाव-विभोर हो उठी।

सत्संग की समाप्ति के पश्चात भी देर रात तक सतगुरु कृपा की मौज बनी रही। हर आत्मा उस मौन सन्देश से भर उठी–"मैं तेरे संग हूँ, तू मेरा है।"

हरे माधव सत्संग, सेवा और समर्पण का वह मंच है जहाँ न जाति की सीमा है, न पंथ का भेद। यहाँ आत्मा की पुकार है और सतगुरु का उत्तर। सभी ने मिलकर निष्काम सेवा की, हरे माधव ब्रह्म भोज में प्रसाद ग्रहण किया और हृदयों में केवल एक ही भाव रह गया– "सतगुरू चरणों में जीवन का सार है।"

ऐसे जीवनमुक्त सतगुरु, जो सृष्टि के कण-कण में समाए हैं, जो अंतर में वास करते हैं– उनके दर्शन, उनकी वाणी और उनकी लीला, आत्मा को उसी परम सत्य की ओर उन्मुख करती है जहाँ सच्चा मिलन होता है।

पत्रकारों से मारपीट करने वालों का निकला जुलूस

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)।रविवार देर रात अंबेडकर अस्पताल में बाउंसर्स ने मीडियाकर्मियों के साथ मारपीट की। रिपोर्टर्स रायपुर में हुई चाकूबाजी की घटना की रिपोर्टिंग करने पहुंचे थे। इस दौरान रिपोर्टर को बाउंसर्स ने घायल शख्स से बातचीत करने और न्यूज बनाने से रोका। इसके बाद बाउंसर्स पत्रकार से हाथापाई पर उतर आए। इसकी खबर मिलते ही रायपुर के अन्य पत्रकार और प्रेस क्लब के पदाधिकारी भी अस्पताल पहुंचे। बाउंसर्स ने सभी पत्रकारों के साथ पुलिस के सामने ही धक्का-मुक्की शुरू कर दी। इस मामले में तीन बाउंसर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के आधे सिर मुंडवाकर जुलूस भी निकाला।

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि पत्रकारों को धमकाने और व्यवहार करने वाले लोगों को मिट्टी में मिला दिया जाएगा। अंबेडकर अस्पताल के अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने मारपीट करने वाले बाउंसर एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया।वहीं पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कहा कि मेकाहारा अस्पताल, प्रदेश के सबसे बड़े और प्रख्यात सरकार अस्पताल में हुई अप्रिय और हिंसक घटना बहुत चौंकाने वाली और अत्यंत निन्दनीय है।सरकारी अस्पताल में बाउंसर के रूप में हिंसक और असामाजिक तत्वों का मौजूद होना, और पत्रकारों के विरुद्ध प्रशासन की मौजूदगी में हिंसा और बदतमीजी करना प्रदेश की कानून व्यवस्था और पत्रकारिता की स्वतंत्रता का हाल साफ दिखाता है।प्रदेश के पत्रकार साथियों के साथ मजबूती से खड़ा हूं। उनकी सुरक्षा, रिपोर्ट और सवाल करने की स्वच्छंदता के लिए पूरी शक्ति के साथ आवाज उठाऊंगा।

कृषि विकास से ही आयेगी देश में समृद्धि, मप्र की तर्ज पर हर राज्य में हों कृषि उद्योग समागम : उप राष्ट्रपति धनखड़

भोपाल (एजेंसी)। उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने कहा है कि खेती-किसानी देश की अर्थव्यवस्था की नींव है। यह हमारी प्रगति का मूल आधार है। कृषि के क्षेत्र में विकास और नित नए नवाचार जरूरी हैं, इससे कृषि के विकास से ही देश में समृद्धि आएगी। देश का उदर-पोषण करने वाले अन्नदाता की खुशहाली में ही हमारे देश की खुशहाली सन्निहित है। उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ सोमवार को नरसिंहपुर जिला मुख्यालय में कृषि उद्योग समागम-2025 के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दीप प्रज्जवलन, कन्या पूजन एवं भगवान बलराम की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित कर 26 से 28 मई तक चलने वाले तीन दिवसीय %कृषि-उद्योग समागम 2025% का विधिवत् शुभारंभ किया। इस अवसर पर डॉ. (श्रीमती) सुदेश जगदीप धनखड़ विशेष रूप से उपस्थित थीं।

उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ ने कृषि उद्योग समागम के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बधाई देते हुए कहा कि उनकी इस पहल का अन्य राज्यों को भी अनुसरण करना चाहिए। किसान हमारे अन्नदाता हैं। अन्नदाताओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि किसान भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इनकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव बेहद कर्मठ और कार्यशील है। कोई ऐसा दिन नहीं रहता, जब वे गांव, गरीब और किसान की चिंता न करें। मध्यप्रदेश सरकार ने गांव-किसान और उद्योग को जोड़ने की अभिनव पहल शुरू की है। उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ ने कृषि-उद्योग समागम के आयोजन के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बधाई दी। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि देश का हर राज्य मध्यप्रदेश की इस पहल का अनुकरण करेगा। उन्होंने बताया कि केंद्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा भी 29 मई से 12 जून तक नई दिल्ली में कृषि आधारित एक वृहद आयोजन किया जा रहा है। उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ ने कहा कि विकसित भारत का रास्ता गांव और किसान के खेत से निकलता है। देश में विकसित भारत के लिए महायज्ञ चल रहा है इसमें सबसे बड़ी आहूति किसान भाइयों की ही है। किसान केवल फसल उत्पादन तक सीमित न रहें। उन्हें खाद्य प्र-संस्करण, व्यापार और मार्केटिंग भी सीखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के किसान भाइयों के परिश्रम से ही %विकसित भारत2047% का लक्ष्य पूरा होगा। किसान अधिक से अधिक कृषि आधारित उद्योग स्थापित करें। उन्होंने सुझाव दिया कि अन्नदाता को उद्यमी बनाने के लिए स्थानीय सांसद और विधायक गांवों को गोद लें, किसानों को समृद्ध बनाएं, जिससे खेती में नई तकनीक का इस्तेमाल हो और हर गांव में समृद्धि आए। उन्होंने कहा कि देश में 720 कृषि विज्ञान केंद्र हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के नेतृत्व में सभी संस्थान बेहद सजग होकर कार्य कर रहे हैं। उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ ने कहा कि भारत ने दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर एक नया इतिहास रच दिया है। हमने जापान को पीछे छोड़ा है और बहुत जल्द जर्मनी को पीछे छोड़कर हम तीसरे स्थान पर पहुंचेंगे।

उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ ने कहा कि देशभर में किसानों को हर तरह की सहूलियतें दी जा रही हैं। अब तक 10 करोड़ किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ मिला है। उनके खातों में 3 लाख 46 करोड़ रुपए अंतरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश को दूध, फल और सब्जियों में देश का नेतृत्व करना चाहिए। कृषि सिर्फ खेती का क्षेत्र नहीं है, इसका उद्योग से बड़ा जुड़ाव है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की यह पहल सराहनीय है। प्रदेश में नारी शक्ति को जिला पंचायतों की कमान मिलना भी लोकतंत्र की शक्ति को दर्शाता है।

उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पहलगाम आतंकी हमले का बदला ऑपरेशन सिंदूर से लिया है। यह ऐतिहासिक घटना है। पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना ने सटीक बमबारी की और उनके ठिकाने नष्ट कर दिए। देश की सुरक्षा के मामले में प्रधानमंत्री का संकल्प एक लौहपुरुष की तरह है। भारतीय सेना के पराक्रम ने हर भारतीय का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। ये नया भारत है, जो 70 साल में नहीं हुआ, वो प्रधानमंत्री ने कर दिखाया।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि नरसिंहपुर जिला मध्यप्रदेश की आध्यात्मिक विरासत को संजोकर रखने वाला एक प्रमुख केंद्र है। यहां मां नर्मदा के तट पर बरमान में मकर संक्रांति का सुप्रसिद्ध मेला लगता है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में कृषि मेलों और कृषि उद्योग समागमों के जरिए किसानों को भरपूर लाभ दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव किसानों के लिए हर समय उपलब्ध रहते हैं। देश के किसान कड़े परिश्रम से अन्न उगाते हैं, वहीं हमारे वैज्ञानिक भी तकनीक का उपयोग कर किसानों के लिए नए-नए संयंत्र तैयार करते हैं। दोनों की मेहनत और समन्वय से ही हमारे देश के भंडार अन्न से भरे पड़े हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश कृषि के मामले में शस्य श्यामला है। नरसिंहपुर पर मां नर्मदा की विशेष कृपा है। नरसिंहपुर जिला दाल का कटोरा है, यहां की तुअर दाल को जीआई टैग मिला है। दाल उत्पादक किसान देशभर में पहचान बना चुके हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में किसानों की आय बढ़ाने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। मध्यप्रदेश तो नदियों का मायका है।

मध्यप्रदेश 247 नदियों का उद्गम है, जो देश में सर्वाधिक है। यहां घने जंगल नदियों एवं जलराशि को समृद्ध करते हैं। मध्यप्रदेश को मां नर्मदा का आशीर्वाद मिला हुआ है।

तीनों सेना प्रमुख ऑपरेशन सिंदूर को मॉनीटर कर रहे थे

नई दिल्ली/श्रीनगर (एजेंसी)। भारतीय सेना ने सोमवार को एक बुकलेट जारी की है। इसमें बताया गया कि 6-7 मई को लॉन्च किए ऑपरेशन सिंदूर को तीनों सेना प्रमुख मॉनिटरिंग कर रहे थे। बुकलेट में दिखाया गया है कि कैसे वॉर रूम से पूरे ऑपरेशन पर नजर रखी जा रही थी। इसमें आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नेवी चीफ एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी और एयरफोर्स चीफ एयरचीफ मार्शल एपी सिंह मौजूद थे। वहीं, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पार्लियामेंट्री कंसलटेटिव कमेटी की बैठक की। उन्होंने कहा- डीजीएमओ ने पाकिस्तान को उसके क्षेत्र में टेरर कैंप पर भारतीय हमले की जानकारी तभी दी थी जब अटैक किया गया था। उन्होंने कहा कि हमने पाकिस्तान से कभी बात नहीं की। आर्मी ऑपरेशन (सीजफायर) रोकने का फैसला पाकिस्तान की रिक्वेस्ट की पर द्विपक्षीय लिया गया था। इसमें अमेरिका की मध्यस्थता का सवाल नहीं उठता है। वहीं, पहलगाम आतंकी घटना के बाद ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान के मंसूबों को नाकाम किया था। पाकिस्तान ने बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, श्रीगंगानगर जिलों में कुल 413 ड्रोन अटैक किए। उन सभी को भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने हवा में ही मार गिराया था।

मुंबई में भारी बारिश, अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन में पानी भरा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में सोमवार सुबह से तेज बारिश हो रही है। हाल ही में शुरू हुए वर्ली अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन में पानी भर गया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 1 मई को ही इसका उद्घाटन किया था।

इधर, घने बादलों की वजह से विजिबिलिटी लो है। इस वजह से 8 फ्लाइट्स प्रभावित हुई हैं। सड़कों पर भी लोग गाड़ियों की लाइट ऑन करके ड्राइव कर रहे हैं। बारिश के साथ मुंबई में 70 से 80 किमी की रफ्तार से हवा चली, जिससे कई इलाकों में पेड़ गिर गए हैं। बारिश के बाद कई जगह 7-8 किमी लंबा जाम लगा हुआ है। हार्बर, सेंट्रल लाइन पर लोकल ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। हजारों लोग अभी भी फंसे हुए हैं। इधर पुणे में रविवार की तेज बारिश की वजह से नदी-नाले अचानक उफान पर आ गए। पुणे-सोलापुर हाईवे पर पाटस इलाके में बादल फटने से पुणे के बारामती और इंदापुर में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई। बारिश के बाद यहां सड़कें पानी में डूब गईं। करीब 200 घरों में पानी भर गया और कई गाड़ियां बह गईं। एनडीआरएफ की 2 टीमें रेस्क्यू के लिए तैनात की गई हैं।

सौरव गांगुली के भाई-भाभी डूबने से बचे

पुरी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के बड़े भाई स्नेहाशीष गांगुली और उनकी पत्नी अर्पिता गांगुली पुरी के समुद्र में डूबने से बच गए। शनिवार शाम को लाइट हाउस के पास दोनों की स्पीड बोट पलट गई। सोमवार को इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया में अपलोड हुआ। एक मिनट 52 सेकेंड के इस वीडियो में लाइफगार्ड्स स्नेहाशीष और अर्पिता को बचाते नजर आ रहे हैं।

पीएम मोदी के रोड-शो में पहुंचा कर्नल सोफिया का परिवार

वडोदरा (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को गुजरात के वडोदरा पहुंचे। उन्होंने एयरपोर्ट से एयरफोर्स गेट तक करीब एक किलोमीटर लंबा रोड शो किया। इस रोड शो को सिंदूर सम्मान यात्रा नाम दिया गया। पीएम मोदी के स्वागत के लिए कर्नल सोफिया का परिवार भी पहुंचा था। रोड शो की शुरुआत में ही प्रधानमंत्री ने एयरपोर्ट के बाहर बने मंच पर मौजूद कर्नल सोफिया के परिवार से मुलाकात की। कर्नल सोफिया कुरैशी ऑपरेशन सिंदूर के बारे में प्रेस ब्रीफिंग करने वाली टीम का हिस्सा थीं। उनके साथ विदेश मंत्रालय के सचिव विक्रम मिसरी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह भी टीम में शामिल थीं। कर्नल सोफिया कुरैशी की बहन, पिता और भाई से खास बातचीत की। कर्नल सोफिया की जुड़वां बहन शायना कुरैशी ने कहा, उन्होंने हमसे नमस्कार किया, लेकिन यहां बहुत शोर था। उनसे बात नहीं हो सकी। मोदी जी बहुत ईमानदार पीएम हैं। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर किया। वह बहुत सक्सेसफुल रहा। ऑपरेशन मे कोई कैजुअल्टी नहीं हुई। महिलाओं को उन्होंने ऐसे लेवल पर पहुंचा दिया है, जो पहले कभी नहीं हुआ। वे हमेशा महिलाओं को आगे बढ़ाते हैं। जो महिलाएं इतने सालों से दबी हुई थीं।

नीतीश ने आईएएस अफसर के सिर पर गमला रखा

पटना (एजेंसी)। मुख्यमंत्री ने अफसर के हाथ से पौधा लिया और उनके सिर पर ही रख दिया। इसके बाद, हंस पौधा लेकर पीछे हटे और पास खड़े कर्मचारी को दे दिया बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस. सिद्धार्थ के सिर पर गमला रख दिया। यह गमला आईएएस अफसर सिद्धार्थ ने सीएम को उनके स्वागत में भेंट किया था। मुख्यमंत्री ने उनके हाथ से पौधा लिया और उनके सिर पर ही रख दिया। इसके बाद सीएम पौधा लेकर पीछे हटे और पास खड़े कर्मचारी को दे दिया।

बृजभूषण सिंह नाबालिग पहलवान से यौन शोषण मामले में बरी

गोंडा/कुछ (एजेंसी)। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने बृजभूषण शरण सिंह को नाबालिग पहलवान से यौन शोषण मामले में बरी कर, केस क्लोज कर दिया। पिछली सुनवाई में नाबालिग अपने बयान से पलट गई थी। जिसके बाद कोर्ट ने ये निर्णय लिया।

नाबालिग ने 1 अगस्त, 2023 को बंद कमरे में हुई सुनवाई के दौरान कहा था कि उसने किसी राजनीतिक या भावनात्मक दबाव में आकर ये आरोप लगाए थे। ऐसी कोई घटना नहीं घटी थी। जिसमें वह खुद को पीड़िता मानती हो। इस बयान के बाद कोर्ट ने इसे गंभीर परिवर्तनीय साक्ष्य माना था।

नाबालिग पहलवान ने माना था कि वह दिल्ली पुलिस की जांच से संतुष्ट है। उसे क्लोजर रिपोर्ट पर कोई आपत्ति नहीं है। दिल्ली पुलिस ने 15 जून, 2023 को इस मामले में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी।

दो एफआईआर दर्ज की गई थीं दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण के खिलाफ कनॉट प्लेस थाने में 2 एफआईआर दर्ज की थी। एक एफआईआर भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज की गई थी। जिसमें हरियाणा की महिला पहलवानों ने यौन शोषण का आरोप लगाया था। दूसरी स्त्रञ्कर्पॉस्को एक्ट के तहत हुई। पॉस्को केस में नाबालिग शिकायतकर्ता ने अपने आरोप वापस ले लिए थे, जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने क्लोजर रिपोर्ट दायर की थी।

मोदी ने पिछली 11 साल में कर दी देश की दुर्दशा: खरगे

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 साल के दौरान देश बर्बाद हो गया है और इस दौरान देश मे बेरोजगारी बढ़ी, अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो गई और विदेश नीति के स्तर पर भारत की साख कमजोर हुई है।श्री खरगे ने आज यहां जारी बयान में कहा 11 सालों में बड़े-बड़े वादों को खोखले दावों में बदलकर मोदी सरकार ने देश की ऐसी दुर्दशा कर दी, कि अच्छे दिन की बात अब एक डरावने सपने की तरह साबित हुए। युवा, सालाना दो करोड़ नौकरियों का वादा, असलियत में करोड़ों की गायब। किसान, न आय हुई दोगुनी, ऊपर से खाने पड़ी रबर बुलेट, महिला, आरक्षण पर शर्तें लागू, सुरक्षा तार-तार, कमजोर वर्ग एससी, एसटी, ओबीसी, अपलसंख्यक पर भयावह अत्याचार, हिस्सेदारी खत्म। उन्होंने पिछले 11 साल में देश की अर्थव्यवस्था तथा महँगाई की पराकाष्ठा, बेरोजगारी की बाढ़, खपत ठप्प, मेक इन इंडिया रहा फ्लॉप और असमानता चरम पर। विदेश नीति, वादा था विश्वगुरु बनने का, बिगाड़े हर देश से सम्बन्ध।

भुज में मोदी बोले-भारत पर आंख उठाई तो बख्शेंगे नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के गुजरात दौरे पर हैं। भुज में उन्होंने कहा कि भारत पर आंख उठाने वाले को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। पाकिस्तान को चेतावनी दी कि सुख-चैन से जियो, अपने हिस्से की रोटी खाओ, नहीं तो मेरी गोली तो है ही। इससे पहले, दाहोद में पीएम ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया था। कहा, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने 140 करोड़ भारतीयों को चुनौती दी थी। हमने भी आतंकी ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया। मोदी ने कहा, आप बताइए... ऐसे

हालात में क्या मोदी चुप बैठ सकता था। जब कोई हमारी बहनों के सिंदूर को मिटाएगा, तो उसका भी मिटना तय हो जाता है। आतंक फैलाने वालों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि मोदी से मुकाबला करना कितना मुश्किल होता है। मोदी सोमवार सुबह पहले वडोदरा, फिर दाहोद और इसके बाद भुज पहुंचे। तीनों जगह उन्होंने रोड शो किया। दाहोद और भुज में जनसभा की। पीएम ने भुज में 53,400 करोड़ रुपए के 31 प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और ई-लोकार्पण भी किया। यहां अहमदाबाद एयरपोर्ट से इंदिरा ब्रिज तक रोड करेंगे। पीएम के स्वागत के लिए सड़कों की दोनों और हजारों की तादाद में लोग तिरंगा लिए हुए खड़े हैं। मोदी ने कहा कि 9 मई की रात को कच्छ की सीमा पर भी ड्रोन आए थे। वे (पाकिस्तान) 1971 की जंग भूल गए।

पाकिस्तान हमलावर है, पीड़ित नहीं: ओवैसी

बहरीन(एजेंसी)। आतंकवाद के खिलाफ भारत की शून्य सहिष्णुता की नीति को दिखाने के लिए प्रमुख राजधानियों में जाने वाले बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने पाकिस्तान पर तीखा हमला किया और उसे पीड़ित नहीं बल्कि हमलावर बताया। ओवैसी ने कहा कि पाकिस्तान एक हमलावर है, पीड़ित नहीं...आज की बैठक में हमने भारत का पक्ष रखा। हमने उन्हें बताया कि कई सालों से पाकिस्तान द्वारा सहायता प्राप्त और प्रशिक्षित आतंकवादी भारत में आतंकी हमले कर रहे हैं हमने उन्हें सभी आंकड़े दिए। चाहे वह मुंबई विस्फोट हो, ट्रेन विस्फोट हो, जम्मू-कश्मीर विधानसभा के सामने आत्मघाती हमला हो, पुलवामा हो, पठानकोट हमला हो। ओवैसी ने कहा कि हमने उनसे (बहरीन सरकार से) कहा कि भारत को अस्थिर करने के लिए किए जा रहे प्रयास सही नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के विभिन्न हिस्सों से कई लोग यहां रहते हैं, इसलिए वे सभी इस बात पर सहमत थे कि भारत के लोगों ने यहां बहुत बड़ा योगदान दिया है।

ज्योति मल्होत्रा को 14 दिन के लिए जेल भेजा

हिसार (एजेंसी)। पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को सोमवार को हिसार कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने ज्योति को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। उसे हिसार की सेंट्रल जेल नंबर-2 में रखा जाएगा, जो कि महिलाओं के लिए है।

उधर, ज्योति का एक नया वीडियो सामने आया है, जिसमें वह पाकिस्तान के बाजार में घूम रही है। उसके आसपास एके -47 गन लिए पाकिस्तानी गार्ड्स भी नजर आ रहे हैं। यह वीडियो स्कॉटिश यूट्यूबर कैलुम मिल ने बनाया है। इस वीडियो में ज्योति, कैलुम से पूछती है कि क्या आप पहली बार पाकिस्तान आए हो? इस पर कैलुम कहते हैं कि मैं पांचवीं बार आया हूं। ज्योति पूछती हैं कि पाकिस्तान आपको कैसा लगा? इस पर कैलुम पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाते हैं।

इसके बाद ज्योति पूछती है- आप कभी इंडिया आए हो? मैं इंडिया से हूं। उसका सवाल सुनकर कैलुम हां कहते हैं। फिर कैलुम ज्योति से पूछते हैं कि आपको पाकिस्तान कैसा लगा? इस पर ज्योति कहती हैं- बहुत पसंद आया। इससे पहले, हिसार पुलिस की इकोनॉमिक सेल ने ज्योति से 2 दिन पूछताछ की। हालांकि, पुलिस के हाथ ज्यादा कुछ नहीं लगा। पेशी से पहले ज्योति के पिता हरीश मल्होत्रा ने कहा कि पुलिस घर आई थी। हरीश मल्होत्रा ने दावा किया कि अधिकारियों ने उनसे कहा कि वह ज्योति की पेशी के दौरान कोर्ट में न आएं। उन्होंने बेटी से मिलने की इच्छा जताई, मगर पुलिस ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए मिलवाने से मना कर दिया।

देश में कोरोना के 1010 एक्टिव केस, अब तक 12 मौतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में कोविड-19 के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। देश में कुल मामलों की संख्या 1,010 हो गई है। देश में कोरोना के सबसे ज्यादा 430 मरीज केरल में हैं। वहीं राजस्थान, महाराष्ट्र, बंगाल और कर्नाटक में कुल 12 मरीजों की मौत हुई है। हालांकि इनमें से कइयों को दूसरी गंभीर बीमारियां भी थीं। इसके अलावा महाराष्ट्र में 209, दिल्ली में 104, गुजरात में 83 और कर्नाटक में 47 केस शामिल हैं। उत्तर प्रदेश में 15 मरीज मिले हैं। आईसीएमआर के डायरेक्टर डॉ. राजीव बहल ने बताया कि अभी तक देश में 4 वैरिएंट मिले हैं। इनमें एलएफ.7, एक्सएफजी, जेएन.1 और एनबी .1.8.1 वैरिएंट शामिल हैं।

सोमवार को बिहार में पटना एम्स के एक डॉक्टर और एक 31 साल के व्यक्ति में संक्रमण की पुष्टि हुई। यह राज्य का पहला मामला है। वहीं पश्चिम बंगाल में चार और लोगों में कोविड-19 की पुष्टि हुई है, जिसके बाद एक्टिव केस बढ़कर 12 हो गए हैं।

देश में कोविड के नए मामलों में अब तक 9 मौतें देश में कोरोना के बढ़ते नए मामलों के बीच अब तक 9 लोगों की मौत हो हुई है। सोमवार को जयपुर में दो लोगों की मौत हो गई। जयपुर रेलवे स्टेशन एक व्यक्ति मृत मिला था। उसकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। वहीं प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती 26 साल के युवक की कोविड से मौत हो गई। उसे पहले से ही टीबी की बीमारी थी।

इससे पहले रविवार को महाराष्ट्र के ठाणे के छत्रपति शिवाजी महाराज कलवा अस्पताल में इलाज करा रहे 21 साल के कोविड मरीज की मौत हो गई। युवक का 22 मई से इलाज चल रहा था। राज्य में अब तक 4 लोगों की कोरोना से मौत हुई है।

एमएस धोनी ने रिटायरमेंट को लेकर फैंस को दुविधा में डाला, रांची में ये काम करेंगे फिर लेंगे फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। एमएस धोनी ने आईपीएल रिटायरमेंट को लेकर फैंस को दुविधा में डाल दिया है। उन्होंने स्पष्ट तौर पर नहीं बताया कि वह अगले सीजन में खेलेंगे या नहीं। 43 वर्षीय धोनी ने कहा कि अगर खिलाड़ी परफॉर्मेंस के आधार पर संन्यास लेने लगेंगे तो कइयों का करियर 22 साल की उम्र में समाप्त हो जाएगा। सीएसके का आईपीएल 2025 में प्रदर्शन निराशाजनक रहा। पांच बार की चैंपियन चेन्नई अंक तालिका में सबसे नीचे दसवें पायदान पर रही। हालांकि, सीएसके ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपने आखिरी लीग मैच में विजयी परचम फहराया।

चेन्नई ने रविवार को गुजरात के खिलाफ 230/5 का स्कोर बनाने के बाद 83 रनों से जीत हासिल की। सीएसके ने 14 मैचों से केवल चार जीते। सीएसके के नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ चोटिल होने के कारण सिर्फ पांच मैच ही खेल सके।

ऐसे में धोनी को चेन्नई की दोबारा कमान संभाली पड़ी थी। कप्तान धोनी ने जीटी को धूल चटाने के बाद कहा कि, हमारा सीजन अच्छा नहीं गया लेकिन जीत के साथ खत्म करना अच्छा रहा। ये गेंदबाजी और बल्लेबाजी विभाग का सबसे बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक था। इस सीजन हमारी फील्डिंग अच्छी नहीं रही लेकिन आज हमने कई अच्छे पकड़े।

वहीं धोनी से जब सवाल किया गया कि वह अगले सीजन में खेलेंगे या नहीं तो उन्होंने कहा कि मेरे पास फैसला करने के लिए 4-5 महीने हैं। ये तय करने की कोई जल्दी नहीं है कि क्या करने की जरूरत है। हर साल शरीर को फिट रखने के लिए ज्यादा एफर्ट मारना पड़ता है। आपको अपना सर्वश्रेष्ठ

प्रदर्शन करना होता है। ये शीर्ष स्तर का क्रिकेट है। ये पेशेवर क्रिकेट है। यहां हमेसा परफॉर्मेंस ही नहीं होती, जिसे आप गिन सकें। अगर क्रिकेट अपनी परफॉर्मेंस के कारण रिटायर होना शुरू कर देंगे तब तो कुछ 22 साल की उम्र में संन्यास ले लेंगे।

साथ ही अगले साल खेलने के सवाल पर धोनी ने कहा कि ये तय करने के लिए उनके पास अभी काफी समय है।

एक सवाल के जवाब में कहा कि मेरे पास फैसला लेने के लिए चार पांच महीने हैं, कोई जल्दबाजी नहीं है। शरीर को फिट रखना जरूरी है। अब रांची जाऊंगा, थोड़ी बाइक राइड्स का आनंद उठाऊंगा। मैं ये नहीं कह रहा कि मैं अब रिटायर हो रहा हूं। और ये भी नहीं कह रहा कि मैं वापस आ रहा हूं। मेरे पास काफी समय है। सोचूंगा और फिर उसके बाद निर्णय लूंगा।

सुदर्शन का लक्ष्य इंग्लैंड दौरे में बेहतर प्रदर्शन करना

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में शामिल किये जाने से बेहद खुश है और उनका लक्ष्य इस दौरे में अच्छा प्रदर्शन कर अपने को साबित करना है। सुदर्शन ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट के साथ ही आईपीएल में भी जमकर रन बनाये हैं जिससे वह उत्साहित हैं। दिग्गज क्रिकेटरों का मानना है कि सुदर्शन की तकनीक काफी अच्छी है जिसका लाभ उन्हें इंग्लैंड में मिलेगा। सुदर्शन ने कहा कि ये तो सिर्फ शुरुआत है। सुदर्शन ने कहा कि, मुझे लगता है कि एक क्रिकेटर के लिए देश के लिए खेलना ही बहुत बड़े सम्मान की बात है। ये बहुत शानदार विशेष और अविश्वसनीय अहसाह है। साथ ही कहा कि कोई भी खिलाड़ी जो क्रिकेट खेलना शुरू करता है, उसका अंतिम लक्ष्य टेस्ट क्रिकेट खेलना होता है। सुदर्शन ने कहा कि वह यहां तक अपने माता पिता और रिश्तेदारों के सहयोग से पहुंचे हैं।गुजरात टाइटंस के बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने शुभमन गिल को भारतीय टेस्ट टीम का कप्तान पर भी खुशी जतायी है। शुभनन के साथ सुदर्शन ने पहले भी है। उन्होंने कहा कि मैं शुभमन के साथ क्रिकेट में आगे बढ़ने के दिनों का हिस्सा रहा हूं। मैंने पिछले चार सालों में उन्हें खेलते देखा है।

अयूब को नया टी20 कप्तान बनायें -अफरीदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने कहा है कि युवा बल्लेबाज सैम अयूब को नया टी20 कप्तान बनाया जाना चाहिये। अफरीदी ने कहा हे कि अपने अब के करियर में अयूब ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे सभी प्रभावित हैं। अफरीदी ने कहा कि अयूब ने धीमी शुरुआत की है पर एक लय पकड़ने के बाद वह आगे बढ़ते गये हैं। पिछले साल 2024 में इस बल्लेबाज ने जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका दौरे पर तीन एकदिवसीय शतक लगाये थे। यही नहीं इसी साल उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 98 रनों की पारी भी खेली थी। एक खास कार्यक्रम में अफरीदी ने कहा, हमें ऐसे कप्तान की जरूरत है जो खेल के प्रति सकारात्मक रुवैया रखता हो। अफरीदी ने यह भी कहा कि अगर उनके हाथ में हो तो वह अयूब को अभी से पाकिस्तान क्रिकेट का कप्तान बना दें। उनका कहना है कि है अयूब का टेंपरामेंट अच्छा है और वह टीम गेम खेलता है। अयूब ने अब तक पाक की ओर से आठ टेस्ट, नौ एकदिवसीय और 27 टी20 मुकाबले खेले हैं। इस क्रिकेटर ने 14 पारियों में 26.00 की औसत से 364 वहीं एकदिवसीय की नौ पारियों में 64.37 की औसत से 515 और टी20 की 25 पारियों में 21.65 की औसत से 498 रन बनाये हैं। बल्लेबाजी के साथ-साथ अयूब गेंदबाजी भी करते हैं। उन्होंने टेस्ट की चार पारियों में 34.50 की औसत से चार और एकदिवसीय की छह पारियों में 27.80 की औसत से पांच विकेट लिए हैं।

गेल का आईपीएल में 175 रन का रिकार्ड अभी भी है कायम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल में अब तक कई नये रिकार्ड बने हैं और टूटे हैं पर गेल का साल 2013 में बनाया ये रिकार्ड ऐसा है जो एक दशक से भी अधिक समय से बना हुआ है। गेल अपनी तूफानी बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने टी-20 में पुणे वॉरियर्स के खिलाफ 66 गेंद पर 175 रन की नाबाद पारी खेली थी। उस समय गेल आरसीबी के लिए खेलते थे। गेल के टी20 करियर में 463 मैचों में 14,552 रन शामिल हैं। गेल के अलावा दूसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के पूर्व दिग्गज ब्रैंडन मैकुलम है, जिन्होंने 2008 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेलते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए 73 गेंदों में नाबाद 158 रन बनाये। इस सत्र में सत्र में 141 रनों की पारी खेलकर अभिषेक शर्मा सबसे अधिक रनों की पारी के मामले में तीसरे नंबर पर हैं।

वहीं चौथे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक है जिन्होंने 2022 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए 70 गेंदों में 140 रन की नाबाद पारी खेली थी। इस सूची लिस्ट में पांचवें नंबर पर आरसीबी के पूर्व खिलाड़ी एबी डिविलियर्स हैं, जिन्होंने 2015 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 59 गेंदों में नाबाद 133 रन बनाये थे जबकि छठे नंबर पर केएल राहुल हैं, जिन्होंने पंजाब किंग्स के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 69 गेंदों में नाबाद 132 रन बनाए थे।

इंग्लैंड पहुंचे इंडिया ए के खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड लायंस के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए अभिमन्यु ईश्वरन के नेतृत्व वाली इंडिया ए टीम रविवार को इंग्लैंड पहुंच गई है। सीरीज की शुरुआत 30 मई को कैंटरबरी में होगी जबकि दूसरा मैच 6 जून से नॉर्थम्पटन में खेला जाएगा। भारत की इंग्लैंड में पांच टेस्ट की सीरीज से पहले लाल गेंद के ये दो मैच खेले जाएंगे। इस दौरे पर इंडिया ए टीम दौरे पर इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ दो प्रथम श्रेणी मैच और भारतीय सीनियर टीम के साथ एक इंट्रा स्क्वॉड मैच भी खेलना है।

वहीं तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे ने ऋतुराज गायकवाड़, तनुष कोटियन ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल और कप्तान अभिमन्यु के साथ एक तस्वीर शेयर की। जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा कि, वर्क करू। टीम का नेतृत्व अभिमन्यु ईश्वरन करेंगे जो बंगाल के लिए घरेलू क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी रहे हैं जिन्होंने 101 प्रथम श्रेणी मैचों में 48.87 की औसत से 7,674 रन, 27 शतक और 29 अर्धशतक बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले साल उन्होंने खराब प्रदर्शन किया था। उन्होंने चार पारियों में सिर्फ 36 रन बनाए।

इस टीम करुण नायर को भी शामिल किया गया है। शुभमन गिल और साई सुदर्शन दौरे पर दूसरे मैच से पहले टीम के साथ जुड़ेंगे। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया टेस्ट दौरे पर गए हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी को भी इंडिया ए के दल में जगह मिली है। जबकि ऋतुराज गायकवाड और शार्दुल ठाकुर भी इंग्लैंड जाने वाले इंडिया ए दल का हिस्सा होंगे। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद और अंशुल कम्बोज भी इस टीम में शामिल हैं। विकेटकीपर के रूप में ईशान किशन और ध्रुव जुरेल भी इस 18 सदस्यीय दल का हिस्सा हैं।

37 गेंद में शतक जड़कर हेनरिक क्लासेन ने रचा इतिहास, बनाया सबसे तेज शतक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाड़ी हेनरिक क्लासेन ने आईपीएल के इस सीजन में इतिहास रच दिया है। क्लासेन ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 27 गेंदों में शतक जड़ दिया। इस शतक के साथ क्लासेन हैदराबाद के लिए सबसे तेज 100 बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।

हेनरिक क्लासेन का केकेआर के खिलाफ आया ये शतक आईपीएल इतिहास का तीसरा सबसे तेज शतक है। सबसे तेज शतक लगाने में क्लासेन केवल राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ी हैं।

क्रिस गेल ने साल 2013 में बेंगलुरु की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए पुणे वॉरियर्स के खिलाफ 30 गेंदों में शतक जड़ा था। वहीं इसी सीजन आईपीएल 2025 में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदों में शतक लगाया था। वहीं अब हेनरिक क्लासेन ने केकेआर के खिलाफ 37 गेंदों में शतक लगाकर आईपीएल की इस रिकॉर्ड लिस्ट में अपना नाम दर्ज करवा लिया है।

हेनरिक क्लासेन के इस सबसे तेज शतक की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल टूर्नामेंट का तीसरा बेस्ट स्कोर बनाया है। हैदराबाद ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ तीन विकेट के नुकसान पर 278 रन बना दिए। वहीं शुरुआती दो सबसे ज्यादा स्कोर बनाने का रिकॉर्ड भी हैदराबाद के ही नाम हैं। स्क्रा ने पिछले सीजन साल 2024 में आरसीबी के खिलाफ 287 रन बनाकर आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया था। वहीं इस सीजन की शुरुआत में हैदराबाद ने रॉयल्स के खिलाफ 286 रन बनाकर इस सीजन का सबसे बड़ा लक्ष्य दिया था और ये आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर था।

ऑरेंज कैप पर साई सुदर्शन का राज बरकरार, शुभमन गिल पिछड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल के 18वें सीजन के ऑरेंज कैप की रेस शुरुआत से ही दिलचस्प रही है। हालांकि, इस कैप पर ज्यादातर सयम टॉप के 5 खिलाड़ियों का ही कब्जा रहा है, जिनमें साई सुदर्शन और शुभमन गिल दो ऐसे नाम हैं। जिनके बीच लगातार इस कैप को लेकर रस्साकशी रही है। यहां तक कि गुजरात वर्सेस चेन्नई सुपर किंग्स मैच से पहले साई सुदर्शन टॉप पर थे, लेकिन मैच में गिल उनसे आगे निकल गए। हालांकि, बाद में सुदर्शन ने फिर से ऑरेंज कैप अपने पास खींच ली। ऐसे में जान लीजिए कि इस समय टॉप 10 में कौन-कौन शामिल है।

साई सुदर्शन और शुभमन गिल के बीच ऑरेंज कैप को लेकर रेस लगी हुई थी। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ जब दोनों ओपनर बल्लेबाजी के लिए उतरे तो 638 रनों के साथ साई सुदर्शन ऑरेंज कैप होल्डर थे। हालांकि, जैसे-जैसे पारी आगे बढ़ी तो शुभमन गिल उनसे आगे निकल गए। शुभमन गिल ने 7 रन के बाद जैसे ही छक्का लगाया तो वे सुदर्शन से आगे निकल गए। एक समय पर साई सुदर्शन का स्कोर 648 था और गिल 649 रन बना चुके थे। हालांकि, जल्द ही शुभमन गिल आउट हो गए और फिर साई सुदर्शन ने जल्द ही शुभमन गिल को पीछे छोड़ दिया।

साई सुदर्शन ने जैसे ही सीएसके के खिलाफ 12वां रन बनाया, वैसे ही इस सीजन सबसे पहले 650 रन बनाने वाले बल्लेबाज बने और शुभमन गिल को भी पीछे छोड़ दिया। साई सुदर्शन ने इस मुकाबले में 28 गेंदों में 41 रन बनाए। इसी के साथ वह इस सीजन 679 रन बनाकर फिर से टॉप पर हैं और ऑरेंज कैप उन्हीं के सिर पर सजी हुई है।

राहुल को टी20 में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए रखे भारतीय टीम-पीटरसन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर और दिल्ली कैपिटल्स के मेंटॉर केविन पीटरसन ने केएल राहुल की जमकर प्रशंसा की है। पीटरसन के अनुसार राहुल को 2026 टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर रखे। इसके साथ ही उन्हें चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा जाना चाहिये।

भारतीय टीम में अभी विकेटकीपर बल्लेबाज के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं। चयनकर्ताओं के पास राहुल के अलावा ऋषभ पंत, संजू सैमसन, ध्रुव जुरेल और ईशान किशन जैसे अच्छे विकल्प हैं। राहुल 2022 विश्व कप के बाद से ही भारतीय टी20 टीम में शामिल नहीं हैं पर पीटरसन का मानना है कि उन्होंने इस सत्र में शानदार बल्लेबाजी कर अपनी वापसी के लिए मजबूत दावेदारी की है। ऐसे में वह विकेटकीपर-बल्लेबाज की भूमिका के लिए सबसे बेहतर हैं।

पीटरसन ने कहा, ''मैं टी20 क्रिकेट में भारत के लिए राहुल को चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजना चाहूंगा। मुझे लगता है कि आपके पास बहुत सारे सलामी बल्लेबाज हैं।'' इंग्लैंड के इस पूर्व कप्तान ने कहा, ''राहुल जिस तरह से अब क्रिकेट खेल रहे हैं, वह चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने और भारत के लिए विकेटकीपिंग करने के लिए मेरी पहली पसंद बन गये हैं।'' उन्होंने हाल में एकदिवसीय में भी शानदार प्रदर्शन किया था। राहुल ने पिछले साल के मध्य से लेकर आखिर तक बहुत सकारात्मक तरीके से खेला है। इसमें वह मैच विजेता बल्लेबाज के तौर पर भी उभरे हैं।

इसके अलावा मैंने बल्लेबाजी के बारे में उसके साथ बहुत सारी शानदार बातचीत की है। इसमें वह बेहत गंभीर नजर आये। उन्होंने कहा, ''आपको बेहतर खिलाड़ी बनने के लिए हर प्रारूप के मुताबिक अपने खेल को लगातार विकसित करना होता है। एक उम्र पर पहुंचने के बाद यह बहुत कठिन होता है लेकिन राहुल ने अपने को बदला है।''

अगला टी20 विश्व कप भारत और श्रीलंका द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा। पिछले आईपीएल में 250 के आसपास का स्कोर आम बात थी, लेकिन पिचों की धीमी प्रकृति ने इस सत्र में बल्लेबाजी को मुश्किल बना दिया है। पीटरसन को इससे कोई परेशानी नहीं है। उन्होंने युवा विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल का उदाहरण देते हुए कहा कि लीग के दौरान लाये गये बदलाव पर काम कर के खेल में सुधार किया जा सकता है।

बांग्लादेश-पाक सीरीज में सुरक्षा के लिए तैनात रहेगी सेना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की टीम क्रिकेट सीरीज पहुंचने पाकिस्तान तो पहुंच गयी है पर उसे वहां आतंकवाद का खतरा सता रहा है। वहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) भी टीम की सुरक्षा को लेकर परेशान है। जिसके बाद से ही उसने क्रिकेट सीरीज के दौरान सेना की सुरक्षा मांगी है। ऐसे में माना जा रहा है कि अब पाक और बांग्लादेश के बीच सीरीज के दौरान सेना तैनात रहेगी। शुरुआत में, बांग्लादेश को पाकिस्तान में पांच टी20 मैच खेलने थे पर सुरक्षा कारणों से अब को देखते हुए अब तीन टी20 मैच ही होंगे। पीसीबी के अनुसार सभी मैच लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में रखे गये हैं। पीसीबी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के साथ सलाह के बाद ही कार्यक्रम में बदलाव किया है। बांग्लादेश की टीम को 28, 30 मई और 1 जून को तीन टी20 मैच खेलने हैं। ये मैच रात 8:00 बजे से खेले जाएंगे।

इस दौरान सिविल फोर्स के साथ साथ सेना भी तैनात रहेगी। सेना की जिम्मेदारी पुलिस और अर्धसैनिक बलों के साथ ही भीड़ नियंत्रण, ट्रैफिक मैनेजमेंट के साथ-साथ खेल स्थल सुरक्षा करना रहेगा जिससे किसी भी प्रकार की आपात स्थिति से निपटा जा सके। सुरक्षाबलों को बिना किसी बाधा के सीरीज के आयोजन का जिम्मा सौंपा गया है।

आरसीबी इस प्रकार पहुंच सकती है शीर्ष दो टीमों में

मुम्बई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ लीग मैच में मिली हार के बाद से ही उसके शीर्ष दो टीम में रहने की संभावना कम हुई है पर समाप्त नहीं हुई है। आरसीबी के पास अभी भी अवसर बचा है पर उसे मंगलवार को होने वाले अंतिम लीग मैच में जीत हासिल करनी होगी और अन्य दो टीमों के परिणामों पर भी नजर रखनी होगी। हैदराबाद के खिलाफ हार से आरसीबी तीसरे स्थान पर खिसक गयी है। आरसीबी के अब 13 मैचों से 17 अंक हैं। वहीं पंजाब किंग्स के भी इतने ही अंक हैं पर पंजाब की टीम नेट रन रेट में बेंगलुरु से बेहतर होने के कारण उससे आगे हैं।

शिव जी की कृपा पर चल रहा शहर का मुख्य थाना

16 लाख रूपए के मैनेजमेंट का मामला हुआ शांत तो 4 दिनों के भीतर ही फिर से कर दिया ढाई लाख का खेल

आरोपियों के अपराध में कंप्रोमाइज के लिए बनाया 2 लाख 70 हजार रुपए का सांठगांठ , थानेदार की आंखों में भी धूल झोंक गए कर्मचारी

कुर्सी के नीचे से कर्मचारियों ने मार ली मलाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पुलिस की वर्दी को साफ और स्वच्छ दिखाने बॉलीवुड वाले सिम्बा, सिंघम और दबंग जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में बना रहे हैं इधर अपराधियों पर खौफ पैदा करने की सरकार ने आजादी भी दे रखी है साथ ही सरकार के इन सेवकों को तनख्वाह के रूप में मोटी रकम से नवाजा भी जाता है जिससे अपनी सिंघम वाली कार्य शैली से काम करते हुए ये साहब लोग किसी भी गलत स्थान पर अपना मैनेजमेंट न बनाए और हमेशा जनता के हित में उन्हें सुरक्षा देते हुए काम करें मगर दबंग पुलिस के रोल का इस्तेमाल जनता को परेशान करने के लिए किया जा रहा है और आम जनमानस सिम्बा की भांति अब भी पुलिस में बदलाव होने की उम्मीदें लगाए बैठी है।

ऐसा हम इसलिए भी कह रहे हैं कि क्योंकि सिंघम बन पुलिस की वर्दी में कुछ इस तरह के कलंक घूम रहे जो केवल अवैध कमाई के दम पर ही एसी लगे कमरे में सो रहे हैं और लाखों करोड़ों के मैनेजमेंट से समाज में आतंक का पर्याय बने हुए हैं।

दरअसल रीवा जिले में इन दिनों बदमाशों के हौसले उड़ान भर रहे हैं और इसका सीधा सा जो कारण निकलकर सामने आया है वह यह कि अगर उन्हें किसी भी मामले में पुलिस गिरफ्तार करती है तो साहब से उनका मैनेजमेंट होना तय है और मैनेजमेंट भी ऐसा बनेगा कि किसी को कानों कान खबर तक नहीं लगेगी जैसा कि आमतौर पर पुलिस विभाग से यह कारनामे सामने आते रहते हैं। और हो भी क्यों न क्योंकि इधर पुलिस को तो अपना रेट फिक्स करने का सिस्टम ही चाहिए होता है। कोई कोरेक्स की बिक्री कराकर पैसे कमा रहा है तो कोई वाहनों से सेटिंग बनाकर उन्हें लूटने की कोशिश में जुटा हुआ है।

पुलिस टीम की मैनेजमेंट कहानी का कुछ दिनों पहले ही एक मामला सामने आया था जिसमें रीवा शहर के मुख्य थाने में कोरेक्स तस्करी के मामले पर पुलिस ने जिले के सिरमौर क्षेत्र में स्थित बरदहा घाटी पहाड़ से मुजरिमों को पकड़ा और फिर शहर में लाकर उनसे पैसे की सेटिंग कर ली जिसके बाद मामले की शिकायता रीवा रेंज के आईजी तक पहुंच चुकी थी जहां पर पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने थानेदार को फटकार भी लगाई थी वही मामले को शांत हुए 4 दिन ही हुए थे तो इधर दूसरा नया कांड उसी थाने की व्यवस्था ने कर दिखाया जिसमें अपराधी के अपराध को बदलने के एवज में 2 लाख 70 हजार रुपए का खेला कर दिया गया और मजे की बात यह है कि इन सब सेटिंग की जानकारी खुले तौर पर थाने के कप्तान तक को नहीं हुई तथा कुर्सी के नीचे से कर्मचारी मलाई मार ले गए।

बताया जा रहा है कि शहर की जिस थाना पुलिस ने आरोपियों से लाखों रुपए की सेटिंग बनाई है उसी थाना क्षेत्र में पकड़े गए आरोपियों के द्वारा अवैध नशीली कफ सिरप की तस्करी की जा रही थी जिसकी शिकायत पर उन्हें पकड़ने गई पुलिस की टीम ने कड़ी मशक्कत करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया था जिसके बाद उन आरोपितों को बचाने के लिए पैसे की सांठगांठ कर ली गई।

पुलिस विभाग के ही विशेष सूत्रों की मानें तो आरोपियों को पकड़ने के लिए गई पुलिस की टीम के सेटिंग बाज कर्मचारियों ने इतनी मोटी रकम में इस मामले की डीलिंग कर ली कि कुछ कहना ही नहीं जिसके बाद अब पुलिस कर्मचारियों की सांठगांठ उनके ही गले की हड्डी बन गई

सूत्र बताते हैं कि इसके पहले दूसरे मामले पर 16 लाख रुपए का खेला विभागीय कर्मियों के द्वारा किया गया था जिसके लिए 16 लाख रुपए तक की रकम को एकत्रित करने के लिए आरोपियों को प्रयागराज उत्तर प्रदेश तक अपने हाथ पसारने परे थे और मामला शांत भी नहीं हुआ कि यह 2 लाख 70 हजार रुपए का नया मामला सामने आ गया।

मंत्री विजयवर्गीय ने की मंदाकिनी की सफाई

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्य प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय चित्रकूट में मंदाकिनी नदी के सफाई अभियान में शामिल हुए। मंत्री ने बताया कि नदी के उ–म स्थल से हरदुआ तक 5 लाख पौधे लगाए जाएंगे। इससे जल संरक्षण में मदद मिलेगी।

विजयवर्गीय ने कहा कि नदी में अधिक गाद जमा होने के कारण मशीन से सफाई की जाएगी। उन्होंने स्थानीय लोगों से साल भर सफाई अभियान जारी रखने की अपील की। स्वच्छता अभियान में नगरीय विकास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी, डीआरआई के अभय महाजन और मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी भी शामिल हुए। जनप्रतिनिधियों और स्वयंसेवी संस्थाओं एवं प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारियों ने श्रमदान में हिस्सा लिया।

दीन दयाल शोध संस्थान चित्रकूट ने जन सहयोग से नदी की सफाई का लक्ष्य तय किया है। कार्ययोजना के तहत नदी के उ–म स्थल से यमुना नदी संगम हरदुआ तक लगभग 40 किलोमीटर क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया जाएगा।

नाबालिग से दुष्कर्म कर 2 साल तक किया ब्लैकमेल

शादी के बाद पति और परिजनों को भेजे आपत्तिजनक फोटो-वीडियो, आरोपी फरार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में एक युवक ने नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म कर उसकी अश्लील फोटो और वीडियो बना लिए। इन्हीं के जरिए वो दो साल तक पीड़िता को ब्लैकमेल करता रहा। पीड़िता की शादी के बाद भी आरोपी ने उसका पीछा नहीं छोड़ा। घटना जून 2022 की है। आरोपी संदीप रजक ने 12वीं कक्षा की छात्रा को फोन कर सिंधी कैम्प स्थित एक प्राइवेट स्कूल में बुलाया। वहां एक कमरे में ले जाकर उसने छात्रा से दुष्कर्म किया। इस दौरान उसने मोबाइल से अश्लील फोटो और वीडियो भी बना लिए।

शादी के बाद भी करता रहा ब्लैकमेल: आरोपी इन्हीं फोटो-वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर दो साल तक पीड़िता के साथ दुष्कर्म करता रहा। दिसंबर 2024 में पीड़िता की शादी हो गई। इसके बाद भी आरोपी ने उसे ब्लैकमेल करना जारी रखा।

पिता समेत कई रिश्तेदारों को भेजे आपत्तिजनक फोटो-वीडियो: जब पीड़िता ने आरोपी की बात मानने से इनकार कर दिया, तो उसने पीड़िता के पति और पिता समेत कई रिश्तेदारों को आपत्तिजनक फोटो-वीडियो भेज दिए। इसके बाद पीड़िता ने कोलगवां थाने में शिकायत दर्ज कराई।पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आईपीसी और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

बाल श्रम कानूनों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्यवाही करें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर की अध्यक्षता में बाल श्रम रोकने की जिला स्तरीय टास्कफोर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि बाल श्रम निषेध अधिनियम 1986 तथा इसके संशोधित प्रावधानों का जिले में व्यापक प्रचार प्रसार कराएं। अधिनियम के मुख्य प्रावधानों को सभी दुकानों तथा व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में प्रदर्शित कराएं। जिन स्थानों में 18 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों की श्रमिक के रूप में कार्य करने की संभावना हो उनका चिन्हांकन करें। टास्कफोर्स के सदस्य समन्वय बनाकर पुलिस बल के साथ इन स्थानों पर आकस्मिक निरीक्षण करें। यदि कोई व्यक्ति अथवा संस्थान संचालक बालश्रम कानूनों का उल्लंघन करता पाया जाए तो उसके विरूद्ध कड़ी दण्डात्मक कार्यवाही करें। विभिन्न संचार माध्यमों से बाल श्रम कानून का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। बैठक में जिला श्रम पदाधिकारी प्रिया अग्रवाल ने बाल एवं कुमार श्रम प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि 18 साल से कम आयु के किसी भी व्यक्ति से श्रमिक का कार्य नहीं लिया जा सकता है। यह दण्डनीय अपराध है। बैठक में बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष डॉ मीनाक्षी मिश्रा तथा सहाय संचालक महिला एवं बाल विकास आशीष द्विवेदी ने भी उपयोगी सुझाव दिए। बैठक में जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय मिश्रा, सहायक संचालक शिक्षा राजेश मिश्रा, परियोजना अधिकारी श्रीमती स्वाती श्रीवास्तव, श्रम निरीक्षक आशुतोष सिंह, अंकुर यादव, सुशील सेन, विभा द्विवेदी, सीडब्लयूसी सदस्य प्रवीण मिश्रा तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

टीएल पत्रों तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने कहा-

विद्युत लाइनों के मेंटीनेंस के साथ बिजली आपूर्ति पर दें विशेष ध्यान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में टीएल पत्रों तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों के सत्यापन के लिए 24 मई को विशेष ग्राम सभाएं आयोजित की गईं थीं। ई केवाईसी न कराने वाले तथा अपात्र हितग्राहियों के संबंध में ग्राम सभा में पारित प्रस्तावों पर जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तत्काल कार्यवाही करें। प्रस्तावों के अनुरूप अपात्रों के नाम पोर्टल से पृथक कराएं। जून माह में उन्हीं हितग्राहियों के लिए खाद्यान्न का आवंटन मिलेगा जिनकी ई केवाईसी हो चुकी है। खाद्यान्न वितरण के समय यदि अप्रिय स्थिति निर्मित होगी तो जिम्मेदारी तय कर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि अधीक्षण यंत्री विद्युत मण्डल सीएम हेल्पलाइन तथा समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित बिजली विभाग की शिकायतों का निराकरण करें। बिजली बिलों में सुधार तथा बिजली की आपूर्ति से जुड़ी शिकायतों का तीन दिवस में निराकरण करें। जिले भर में बिजली की लाइनों के मेंटीनेंस पर विशेष ध्यान दें। आंधी अथवा अन्य प्राकृतिक कारणों से बिजली लाइनों को क्षति पहुंचने पर तत्काल सुधार कराने पर बिजली की आपूर्ति बहाल करें। बिजली की नियमित आपूर्ति के लिए व्यवस्था सुनिश्चित करें। जल गंगा संवर्धन अभियान में स्वीकृत जल संरक्षण के कार्यों को 10 जून तक अनिवार्य रूप से पूरा कराएं। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी स्वीकृत कार्यों के मस्टर जारी कराकर लंबित राशि का तत्काल भुगतान करें। सभी अधिकारी सीएम डैशबोर्ड के बिन्दुओं पर भी तत्परता से कार्यवाही करें।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी कार्यालयीन व्यवस्थाओं तथा अभिलेखों के व्यवस्थित रखने पर विशेष ध्यान दें। विभागीय निर्देशों के अनुरूप निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए विभागीय कार्य पूरा करें। कार्यालय में अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच कार्य विभाजन करके सबको समुचित उत्तरदायित्व दें। अपने अधीनस्थों से कार्य कराना भी कार्यालय प्रमुख की ही जिम्मेदारी है। कार्यालय को आमजनता से प्राप्त आवेदनों को विधिवत पंजीबद्ध करके उनका समय सीमा में निराकरण करें। जनप्रतिनिधियों तथा वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त पत्रों पर भी तत्परता से कार्यवाही करें। सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का निराकरण कराकर तथ्यपरक प्रतिवेदन पोर्टल में दर्ज कराएं। सभी एसडीएम अपने अनुभाग के कार्यालयों का निरीक्षण करके व्यवस्थाओं में सुधार लाएं।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित प्रकरणों का 7 दिवस में निराकरण करें। अभी भी विद्युत मण्डल, गृह विभाग, राजस्व विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, खाद्य विभाग, श्रम विभाग, पीएचई विभाग, हथकरघा विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग में अभी भी कुल 1883 आवेदन पत्र लंबित हैं। इनके निराकरण पर विशेष ध्यान दें। सीएम हेल्पलाइन में मई माह में भी ऊर्जा विभाग, राजस्व विभाग, पीएचई, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, गृह विभाग, खाद्य विभाग, नगर निगम तथा स्वास्थ्य विभाग में बड़ी संख्या में आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। संबंधित अधिकारी व्यक्तिगत रूचि लेकर प्रकरणों का निराकरण करें। सभी एसडीएम सीमांकन और नामंतरण के आवेदनों का निराकरण कराकर ऑनलाइन प्रतिवेदन दर्ज कराएं। यदि विभाग सीएम हेल्पलाइन की ग्रेडिंग में डी श्रेणी में रहेगा तो कार्यवाही होगी। बैठक में खाद्यान्न के वितरण, गेंहू उपार्जन में किसानों को भुगतान, पेयजल व्यवस्था तथा संचारी रोगों से बचाव की भी समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले, सभी एसडीएम, जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नशे में बेटे ने कुल्हाड़ी मारकर की पिता की हत्या

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में पिता की हत्या कर एक्सीडेंट की कहानी गढ़ने वाले बेटे और उसकी मां को पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया। दो महीने पहले उमरी टिकरी गांव में हुई मौत को परिजनों ने सड़क हादसा बताया था, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हत्या का सच सामने आया।

घटना 4 मार्च की रात की है। जांच में खुलासा हुआ कि 19 वर्षीय आदर्श उर्फ निखिल ने नशे में कुल्हाड़ी से वार कर पिता धीरेंद्र सिंह परिहार (45) की हत्या कर दी थी। मां संतोष सिंह ने बेटे को बचाने के लिए साक्ष्य मिटाए और एक्सीडेंट की कहानी गढ़ी।

मां-बेटे ने पुलिस को बताया था कि धीरेंद्र रात में किसी काम से बाहर गए थे। इस दौरान किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। उन्हें रीवा मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शुरू में एक्सीडेंटल डेथ का मामला दर्ज किया। परिजनों ने भी किसी पर शक नहीं जताया। लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया कि मृतक के सिर पर धारदार हथियार से कई वार किए गए थे।

रिपोर्ट आते ही पुलिस ने घटना की गहराई से जांच शुरू की। मृतक के परिजनों और रिश्तेदारों से पूछताछ की गई। पड़ोसियों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक का अपने बेटे आदर्श सिंह उर्फ निखिल से आए दिन विवाद होता था। आदर्श अक्सर देर रात घर आता शराब पीता और विवाद करता था। इस बात से पुलिस को गहरा संदेह हुआ। पुलिस जब गहन पूछताछ के लिए घर पहुंची, तब पता चला कि आदर्श सिंह और उसकी मां संतोष सिंह बिहार के एक रिश्तेदार की शादी में शामिल होने गए हैं। लेकिन जांच में ये भी सामने आया कि वे अचानक और जल्दबाजी में वहां पहुंचे हैं। जिससे संदेह और गहरा गया। पुलिस को आशंका हुई कि कहीं वे फरार तो नहीं हो रहे हैं।

पुलिस को आशंका थी कि अगर उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया तो दोनों फरार हो सकते हैं। ऐसे में पुलिस ने एक व्यक्ति के माध्यम से मां-बेटे तक यह संदेश पहुंचवाया कि पुलिस को सच्चाई का पता चल चुका है लेकिन मामला मैनेज हो सकता है। इस चाल का उद्देश्य सिर्फ इतना था कि आरोपी सतना लौट आएं। पुलिस की चाल काम कर गई। मां-बेटे संतोष और आदर्श सतना लौटे और पुलिस से संपर्क किया। वहीं जैसे ही पुलिस को उनके वापसी की जानकारी हुई तत्काल दोनों को गिरफ्तार कर अंधी हत्या की गुत्थी को सुलझा लिया।

जैसे ही पुलिस ने सख्ती से पूछताछ शुरू की संतोष सिंह टूट गईं। उन्होंने कबूल किया कि 4 मार्च की रात को आदर्श सिंह ने अपने पिता धीरेंद्र सिंह परिहार की हत्या की थी। हत्या के पीछे का कारण लंबे समय से चले आ रहे पारिवारिक झगड़े और आदर्श की खराब आदतें थीं। घटना की रात आदर्श नशे में धुत था। वह देर रात घर लौटा और पिता से बहस हुई। जब पिता सो गए तो आदर्श ने घर में रखी कुल्हाड़ी उठाकर उनके सिर पर ताबड़तोड़ वार किए जिससे उनकी मौत हो गई। हत्या के बाद मां ने अपने बेटे को बचाने के लिए पूरी कहानी गढ़ी और एक्सीडेंट का बहाना बनाया। शव को उचित स्थान पर ले जाकर रखा और कुल्हाड़ी को धोकर छुपा दिया ताकि कोई साक्ष्य न बचे।

जल संरक्षण के सभी कार्य 10 जून तक पूरा करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने जल गंगा संवर्धन अभियान के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने कहा कि मानसून के समय से पहले आने की संभावना व्यक्त की गई है। इसे ध्यान में रखते हुए जल गंगा संवर्धन अभियान में स्वीकृत जल संरक्षण के सभी कार्य तथा मनरेगा योजना के अधूरे निर्माण कार्य 10 जून तक पूरा करें। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी स्वीकृत निर्माण कार्यों का प्रतिदिन मस्टर जनरेट कराकर भुगतान सुनिश्चित करें। जल संरक्षण के कार्यों में वित्तीय प्रगति संतोषजनक नहीं है। साथ ही पूरे हो गए निर्माण कार्यों का पूर्णता प्रमाण पत्र भी जारी कराएं। सभी ग्राम पंचायतों में जल गंगा यात्रा अनिवार्य रूप से निकालें। जल यात्रा का समापन किसी जल स्रोत में करके उसकी साफ-सफाई और सुधार के कार्य में श्रमदान भी कराएं।

कलेक्टर ने कहा कि सभी जनपद पंचायतों को वर्षाकाल में एक-एक लाख पौधे रोपित करने का लक्ष्य दिया गया है। इसके लिए वन विभाग तथा अन्य विभागों से समन्वय बनाकर वृक्षारोपण की तैयारी कर लें। वर्षा के पहले गड्ढे तैयार करा लें। वृक्षारोपण के लिए वृक्षों की किस्म और आकार का निर्धारण करके उनके रोपण की कार्ययोजना बना लें। किसानों को भी खेतों के किनारे वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करें। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने कहा कि मनरेगा तथा जल गंगा अभियान में स्वीकृत निर्माण कार्यों के मस्टर तत्काल जारी कराएं। यदि समय पर भुगतान नहीं किया गया तो संबंधित उपयंत्री, ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक और परियोजना अधिकारी पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। निर्माण कार्यों के मस्टर प्रतिदिन जनरेट कराएं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि जल गंगा अभियान से जुड़े कार्यों तथा कार्यक्रमों के फोटो एवं वीडियो जनसम्पर्क विभाग के माध्यम से समुचित प्रचार-प्रसार कराएं। व्हाट्सएप ग्रुप में भी जल संरक्षण से जुड़ी जानकारी और फोटो प्रतिदिन शेयर करें। बैठक में कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, परियोजना अधिकारी मनरेगा तथा जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर मऊगंज ने परिवहनकर्ता पर लगाया जुर्माना

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने समर्थन मूल्य पर उपार्जित गेंहू के परिवहन में लापरवाही बरतने पर परिवहनकर्ता पर 83270 रुपए का जुर्माना लगाया है। कलेक्टर ने परिवहनकर्ता मेसर्स माँ दुर्गा ट्रांसपोर्ट कंपनी पर यह जुर्माना लगाया है। इस संबंध में जारी आदेश के अनुसार सहकारी समितियों में 8 हजार 327 क्विंटल गेंहू परिवहन के लिए शेष है। गेंहू के परिवहन में लापरवाही बरतने पर कारण बताओ नोटिस दिया गया। लेकिन ट्रांसपोर्टर द्वारा सात दिन की समय सीमा में गेंहू का परिवहन नहीं किया गया है। परिवहन अनुबंध की शर्तों के अनुसार परिवहनकर्ता पर 83270 रुपए के जुर्माने की कार्यवाही की गई है। जुर्माने की राशि तीन दिन में चालान के माध्यम से जमा करने के निर्देश दिए गए हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।